संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -162 शुक्रवार ,14 अप्रैल 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

एनकाऊंटर पर योगी ने कहा जो कहते हैं,वो करके दिखाते हैं

» असद के एनकाउंटर पर भाजपा की खरी-खरी

» विपक्ष ने उठाए सवाल

लखनऊ,13अप्रैल 2023(ए)। उत्तर प्रदेश में माफियाओं को कुचलने के लिए भाजपा सरकार द्वारा किया गया दावा सच साबित होता नजर आ रहा है। जहां, बीते महीने

माफिया अतीक अहमद को उमेश पाल अपहरण कांड में उम्रकैद की सजा हुई तो वहीं आज उसके बेटे असद अहमद को यूपी पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया।

असद के एनकाउंटर के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 'माफिया को मिट्ट् टी में मिला देंगे' वाला बयान चर्चा में आ गया है। इतना ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी (उत्तर प्रदेश) ने अपने ट्विटर हैंडल पर भी मुख्यमंत्री का एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा है- जो कहते हैं, वो कर दिखाते हैंज

असद के एनकाउंटर के बाद भाजपा नेताओं ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। मंत्रिमंडल में शामिल भाजपा नेता स्वतंत्र देव सिंह व दोनों डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्य ने यूपी एसटीएफ की तारीफों के पुल बांध दिए।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट में लिखा, 'यूपी स्ज्ञस्न को बधाई देता हूँ, श्री उमेश पाल एडवोकेट और पुलिस के जवानों के हत्यारों को यही हश्र होना था!'

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी अपने ट्विटर हैंडल पर स्ज्ञस्न को बधाई भरा संदेश लिखा, 'मिट्टी में मिल गया हत्यारा! स्व. उमेश पाल एडवोकेट के हत्यारों को यूपी स्ज्ञस्न ने किया जमींदोज। स्ज्ञस्न के जवानों को बहुत बहुत बधाई।'

एनकाउंटर से चढ़ा सियासी पारा

असद एनकाउंटर की चर्चाओं का बाजार इतना गर्म है कि सियासी पारा भी चढ़ने लगा है। जहां एक ओर योगी सरकार के मंत्री विधायक असद एनकाउंटर को बड़ी उपलब्धि बता रहे हैं। वहीं विपक्ष ने इस कार्रवाई पर सवाल खड़े कर इसे फर्जी एनकाउंटर साबित करने की कोशिश की है।

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री रहे अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा भाईचारे के खिलाफ है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, 'झूठे एनकाउंटर करके भाजपा सरकार सच्चे मुद्दों से ध्यान भटकाना चाह रही है। भाजपाई न्यायालय में विश्वास ही नहीं करते हैं। आजके व हालिया एनकाउंटरों की भी गहन जाँच-पड़ताल हो व दोषियों को छोड़ा न जाए। सही-गलत के फ़ैसलों का अधिकार सत्ता का नहीं होता है।'

दिल्ली से भाग यूपी एमपी के बार्डर पर पहुंचा था असद के साथ गुलाम

बसपा ने की उच्च स्तरीय जांच की मांग

दूसरी ओर बसपा और कांग्रेस ने भी एनकाउंटर को गलत बताया। यूपी कांग्रेस ने कहा कि मानवाधिकार का हनन किया गया, उठाकर मार दिया। वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने एनकाउंटर की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। मायावती ने ट्वीट किया, 'प्रयागराज के अतीक अहमद के बेटे व एक अन्य की आज पुलिस मुठभेड़ में हुई हत्या पर अनेकों प्रकार की चर्चायें गर्म हैं। लोगों को लगता है कि विकास दुबे काण्ड के दोहराए जाने की उनकी आशंका सच साबित हुई है। अतः घटना के पूरे तथ्य व सच्चाई जनता के सामने आ सके इसके लिए उच्च-स्तरीय जाँच जरूरी।'

उत्तर प्रदेश की एसटीएफ टीम ने उमेश पाल हत्याकांड के इनामी आरोपी असद अहदम और उसके साथी शूटर गुलाम को झांसी में एनकाउंटर में ढेर कर दिया है। स्पेशल डीजी प्रशांत कुमार ने बताया कि असद और गुलाम की योजना अतीक को गुजरात ले जाते समय बीच रास्ते से छुड़वाने की थी। इस सूचना पर एसटीएफ ने जब दबिश दी तो असद और गुलाम ने पुलिस पर गोली चला दी, जिसके बाद पुलिस के जवाबी हमले में दोनों मारे गए।

प्रयागराज पुलिस का बड़ा खुलासा अतीक का आईएसआई और लश्कर से संबंध

प्रयागराज पुलिस ने माफिया अतीक को लेकर बड़ा खुलासा किया है. पुलिस ने अपनी चार्जशीट में कहा है कि अतीक अहमद पाकिस्तान से हथियार खरीदता था. उसका ढ्डस्ढ्ढ और आतंकी संगठन लश्कर से भी संबंध था.

अतीक अहमद पाक आईएसआई का डायरेक्ट लिंक!

लश्कर से भी सीधे संबंध के आरोप उमेश पाल केस में यूपी पुलिस की चार्जशीट

पूर्व सांसदअतीक अहमद पाक लिंक के साथ सीधे तौर पर जुड़े हैं। यूपी पुलिस ने गैंगस्टर से सांसद बने अतीक अहमद के मामले में कई गंभीर बातें कही हैं। अतीक पर आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा से जुड़े होने के आरोप भी लगे हैं।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में दिनदहाड़े हुई उमेश पाल की हत्या के मामले में दाखिल यूपी पुलिस की चार्जसीट में कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। उमेश पाल हत्याकांड में कोर्ट के समक्ष दायर चार्जशीट में माफिया से नेता बने अतीक अहमद के बयान का जिक्र है।

चार्जशीट के संबंध में समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, अतीक अहमद ने पुलिस के समझ कबूल किया है कि उसके पास हथियारों की कोई कमी नहीं है क्योंकि मेरे पाकिस्तान के आईएसआई और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से सीधे संबंध हैं। उमेश पाल मामले में यूपी पुलिस की चार्जशीट के अनुसार अतीक ने कहा, ÷पाकिस्तान से हथियार ड्रोन की मदद से पंजाब की सीमा पर गिराए जाते हैं और स्थानीय कनेक्शन उन्हें इकट्ठा करते हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों को इस खेप से हथियार मिलते हैं।÷

क्क पुलिस के मुताबिक अतीक ने कहा, अगर आप मुझे अपने साथ ले जाते हैं, तो मैं उस पैसे और घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार और गोला-बारूद को बरामद करने में आपकी मदद कर सकता हूं।÷

बेटे की मौत की खबर सुनते ही अतीक अहमद, फफक-फफक कर रोया

माफिया और अतीक अहमद का दिन गुरुवार को कोर्ट में मुश्किलों भरा रहा। एक तरफ न्यायालय में उसकी पेशी हो रही थी। वहीं दूसरी तरफ यूपी एसटीएफ ने उसके बेटे को उमेश पाल हत्याकांड मामले में एनकाउंटर में ढेर कर दिया। बेटे की मौत की खबर सुनते ही अतीक रोने लगा। वहां मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बेटे असद के एनकाउंटर की खबर सुनते ही माफिया अतीक अहमद कोर्ट रूम में फूट फूटकर रोने लगा। अतीक खुद को नहीं संभाल पा रहा। अतीक जमीन पर बैठ गया। कोर्ट में योगी आदित्यनाथ जिंदाबाद के नारे लगे। इस दौरान कोर्ट में मौजूद अशरफ ने अतीक को संभाला। माफिया अतीक अहमद पर कोर्ट के बाहर वकीलों ने जूते फेंके, साथ ही नारेबाजी की।

वित्त मंत्री निर्मला का बड़ा ऐलान

» इस बैंक को छोड़कर बाकी सभी हो जाएंगी प्राइवेट!

नई दिल्ली,13अप्रैल 2023(ए)। केंद्र सरकार की तरफ से कई बैंकों का प्राइवेटाइजेशन किया जा चुका है। अब एक बार फिर से बैंकों के निजीकरण पर बड़ी खबर सामने आ रही है।

सरकार ने कई बैंकों और कंपनियों का निजीकरण करने का फैसला लिया है, जिस पर तेजी से काम हो रहा है। फिलहाल सरकारी कर्मचारी इसका विरोध कर रहे हैं।

एसबीआई को छोड़कर सभी बैंक हो सकते हैं प्राइवेट

वहीं, इसी बीच देश के दो प्रमुख अर्थशास्त्रियों का कहना है कि सरकार को भारतीय स्ेटेट बैंक को छोड़कर सभी सरकारी बैंकों को प्राइवेट हाथों में सौंप देना चाहिए। इसके अलावा नीति आयोग ने बताया है कि देश के 6 सरकारी बैंकों का निजीकरण नहीं किया जाएगा।

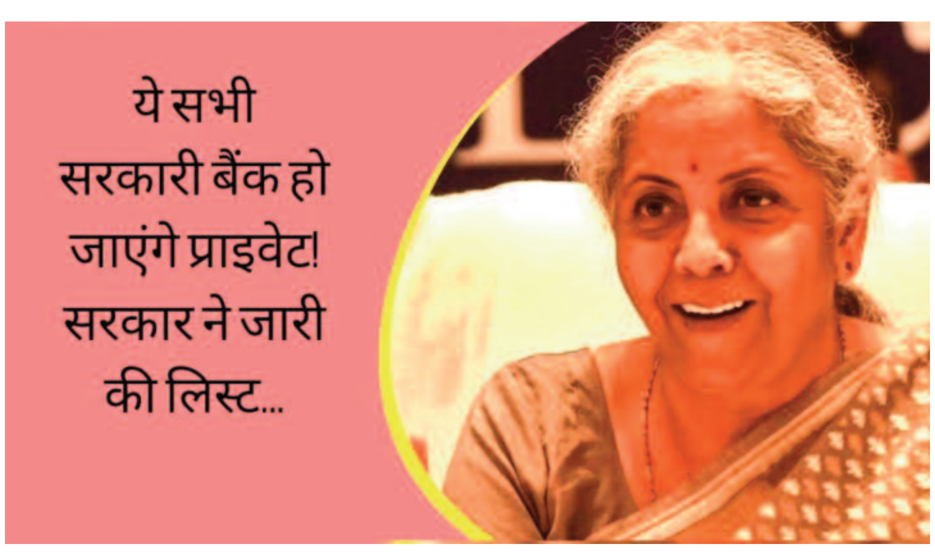

नीति आयोग ने जारी की थी लिस्ट

नीति आयोग की तरफ से जारी की गई लिस्ट में बताया है कि पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक, केनरा बैंक, एसबीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन बैंक का सरकार निजीकरण नहीं करेगी।

सरकार ने बताया है कि इन 6 बैंकों का निजीकरण नहीं किया जाएगा। सरकारी अधिकारी की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, जो भी सरकारी बैंक कंसोलिडेशन का हिस्सा था उन सभी को प्राइवेटाजेशन से बाहर रखा गया है।

अगस्त 2019 में हुआ था बैंकों का मर्ज

आपको बता दें सरकार की तरफ से अगस्त 2019 में 10 में से 4 बैंकों का मर्जर किया गया था, जिसके बाद देश में सरकारी बैंकों की संख्या 27 से घटकर 12 रह गई है। फिलहाल इन बैंकों के निजीकरण के बारे में अभी कोई भी प्लानिंग नहीं है वित्तमंत्रालय ने राय देते हुए कहा है कि इन सभी बैंकों को प्राइवेटाइजेशन से बाहर रखा जाए।

वित्त मंत्री ने किया था ऐलान

वित्त मंत्री ने पिछले साल वाले बजट में ऐलान किया था कि निजीकरण किया जाएगा। सरकार इस बैंक में अपनी हिस्सेदारी बेचने का प्लान बनाया है। इसको लेकर प्रोसेस आगे भी बढ़ गया है।

लगातार हो रहे विरोध के बावजूद सरकार निजीकरण को लेकर अपना पक्ष पहले ही साफ कर चुकी है। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कहा भी था कि एक बीमा कंपनी को बेचा जाएगा।

अमृतपाल सिंह को शरण देने वालों पर शिकंजा,दो भाई गिरफ्तार

होशियारपुर ,13अप्रैल 2023 (ए)। पंजाब में होशियापुर जिला पुलिस ने वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह को शरण देने के आरोप में दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें गुरुवार को स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा। अमृतपाल 18 मार्च से फरार है और तभी से पंजाब पुलिस ने उसके और उसके सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान राजपुर भइयां निवासी गुरदीप सिंह और कुलदीप सिंह के रूप में हुई है। अमृतपाल 28 मार्च की रात गांव मरनियां में पुलिस से बचकर दोनों भाइयों से मिला था, जब वह ट्रैक्टर-ट्राली में बालू भर रहे थे। दोनों भाई अमृतपाल को अपने घर ले गए, उसे खाना खिलाया और बदलने के लिए कपड़े भी दिए। इसके बाद एक गाड़ी वहां आई और अमृतपाल उसमें बैठकर चला गया। दोनों की गिरफ्तारी की पुष्टि करने के लिए किसी पुलिस अधिकारी ने आधिकारिक बयान नहीं दिया है। दोनों आरोपियों को आज अपराह्न स्थानीय अदालत में पेश किया जायेगा।

ईसाइयों पर कथित हमलों के आंकड़े गलत

» केंद्र की एससी में दलील;

» हिंसा से जुड़ी पीआईएल पर शीर्ष अदालत में सुनवाई

नई दिल्ली,13अप्रैल 2023(ए)। ईसाई संस्थानों और पादरियों पर हमलों से जुड़े आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में उन्हें गलत करार दिया। सरकार ने दावा किया कि याचिकाकर्ता विदेश में देश की छवि मलिन करने के लिए मुद्दे को गरम रखना चाहते हैं। ऐसी अदालती कार्यवाहियों से जन सामान्य में गलत संदेश जाएगा।

कोर्ट में जनहित याचिका पर सुनवाई

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पार्डीवाला की पीठ नेशनल सालिडारिटी फोरम के पीटर मचाडो, ईवेनजेलिकल फेलोशिप आफ इंडिया के विजयेश लाल और अन्य द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ताओं ने पीठ को पूर्व में बताया था कि वर्ष 2021 से मई, 2022 के बीच ईसाई समुदाय के सदस्यों के विरुद्ध हिंसा के कई मामले सामने आए थे।

पड़ोसियों के बीच विवाद के मामले

केंद्र की ओर से सालिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने बिहार व छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से प्राप्त मामलों के आंकड़ों का हवाला दिया और कहा कि उनमें से ज्यादातर मामले पड़ोसियों के बीच विवाद के हैं और संयोग से उनमें से एक पक्ष ईसाई है। सालिसिटर जनरल ने कहा, %याचिकाकर्ता ने दावा किया कि ऐसी करीब 500 घटनाएं हुई हैं जिनमें ईसाइयों पर हमले किए गए थे। हमने हर चीज राज्य सरकारों को भेजी थी। हमने प्राप्त सभी जानकारियों का मिलान किया है।

बिहार में कुल 38 मामले हुए दर्ज

पहले बिहार को लेते हैं। याचिकाकर्ताओं ने मामलों की जो कुल संख्या दी है, वो पड़ोसियों के बीच आंतरिक लड़ाइयों से जुड़ी हुई है। उनके दिए गए आंकड़ों को अदालत ने देखा है, जो सही नहीं हैं। बिहार से कुल मिलाकर 38 ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। मेहता ने कहा कि ऐसी अदालती कार्यवाहियों से लोगों में गलत संदेश जाएगा। देश के बाहर इन्हें ऐसे ही प्रदर्शित किया जा रहा है। लोगों में संदेश जाता है कि ईसाई खतरे में हैं और उन पर हमले किए जा रहे हैं जो गलत है।

मामलों में की गई जरूरी कार्रवाई

उन्होंने कहा कि जहां भी गंभीर अपराध हुए हैं और गिरफ्तारी की जानी थी, वहां गिरफ्तारियां की गईं। एसजी ने कहा कि सिर्फ छत्तीसगढ़ में 64 गिरफ्तारियां की गईं जहां राज्य ने ऐसी घटनाओं की जानकारी देने के लिए हेल्पलाइन बनाई है। याचिका के मुताबिक छत्तीसगढ़ में ईसाइयों और उनके संस्थानों पर 495 हमले हुए, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा कुछ नहीं हुआ। अदालत ने केंद्र की रिपोर्ट पर संज्ञान लिया और याचिकाकर्ताओं को जवाब देने के लिए तीन हफ्ते का समय दे दिया।

अतीक अहमद के खिलाफ ईडी की बड़ी कार्रवाई

» 15 ठिकानों पर रेड,75 लाख की नकदी- करोड़ों के दस्तावेज बरामद

प्रयागराज,13अप्रैल 2023 (ए)। उमेश पाल हत्याकांड में फंसे कुख्यात माफिया अतीक अहमद के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने अतीक के 15 ठिकानों पर एक साथ सर्च ऑपरेशन चलाकर करीब 75 लाख की देशी और विदेशी करंसी बरामद की है। इसके अलावा करोड़ों रुपये कीमत की जमीनों के दस्तावेज भी बरामद किए हैं। दावा किया जा रहा है कि यह सारी जमीनें अतीक अहमद की बेनामी संपत्तियां हैं और इन्हें अपराध के जरिए अर्जित किया गया था।

ईडी और इनकम टैक्स विभाग की इस जांच में पता चला है कि अतीक अहमद ने बिल्डर्स, बड़े बिजनेसमैन व प्रॉपर्टी डीलर्स के माध्यम से अपनी ब्लैक मनी को व्हाइट किया है। इसके अलावा अतीक और उसके करीबियों के ठिकानों से कई जमीनों की रजिस्ट्री और कई कंपनियों के दस्तावेज मिले हैं। इनमें करोड़ों की बेसकीमती जमीन अतीक ने अपने करीबियों के नाम करा रखी है।

इसी प्रकार विभिन्न कंपनियों के दस्तावेज से पता चला है कि अतीक के परिजन और उसके कुछ रिश्तेदार इन कंपनियों में एमडी से लेकर डायरेक्टर तक हैं। एक कंपनी दस्तावेज में अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन और बड़ा बेटा उमर डायरेक्टर है। इसी प्रकार इस जांच में अतीक के ठिकानों से 55 करोड़ रुपये से अधिक के अवैध ट्रांजैक्शन के सबूत मिले हैं। इस संबंध में ईडी के अधिकारियों ने अतीक के करीबियों से पूछताछ की। इसमें पता चला कि यह सारी कंपनियां डमी हैं। इनमें पैसा लगाने वाले भी अलग अलग लोग हैं। बता दें कि ईडी और इनकम टैक्स की टीम ने अतीक के करीबियों के ठिकानों पर उस समय दबिश दी, जब सब लोग सो रहे थे।

सभी स्थानों पर सुबह पांच बजे जब ईडी की टीम ने दरवाजा खटखटाया तो लोग आंख मलते हुए बाहर निकले, वहीं जैसे ही ईडी के अधिकारियों ने अपना परिचय दिया, उनकी नींद काफूर हो गई। बता दें कि ठीक उसी समय साबरमती जेल से अतीक अहमद को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस प्रयागराज आ रही थी। ईडी सूत्रों के मुताबिक करीब 100 से अधिक प्रॉपर्टी के कागजात मिले हैं। इसके अलावा करीब 200 बैंक अकाउंट भी संदिग्ध मिले हैं। इन बैंक खातों से हर महीने मोटी रकम को इधर से उधर किया गया है।

ईडी की 22 ठिकानों पर छापेमारी

आईएएस के घर भी ईडी का छापा,कई बिल्डर भी रडार पर

रांची ,13अप्रैल 2023 (ए)। गुरुवार को ईडी की कई ठिकानों पर छापेमारी चल रही है.ईडी ने आईएएस के घर भी ईडी छापा मारा है. एक साथ 22 ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की है. सूत्रों की मानें तो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आइएएस अधिकारी छवि रंजन के आवास पर छापा मारा है. साथ ही बताया जा रहा है कि कुछ अंचल अधिकारियों और जमीन कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है. जानकारी हो कि आईएएस अधिकारी छवि रंजन वर्तमान में समाज कल्याण विभाग के निदेशक हैं. साथ ही पहले ये रांची के डीसी के पद पर भी रह चुके है. अभी भी झारखंड में ईडी की दबिश जारी है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय की टीम गुरुवार अहले सुबह आईएएस छवि रंजन समेत कई अन्य के ठिकानों पर आ पहुंचे.

अगर मामले की बात करें तो सूत्रों का कहना है कि रांची के बरियातू स्थित सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की खरीद-फरोख्त मामले में ईडी के अधिकारियों ने यह कार्रवाई की है. बता दें कि इससे पहले भी ईडी के अधिकारियों ने बीते साल 5 नवंबर को कोलकाता के कारोबारी अमित अग्रवाल व एक अन्य व्यवसायी विष्णु अग्रवाल, साथ ही खरीद-बिक्री में शामिल लोगों सहित दो रजिस्ट्रार से जुड़े दो दर्जन से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की थी.

बीबीसी की बढ़ी मुश्किलें

» विदेशी फंडिंग मामले में ईडी ने दर्ज किया केस

नई दिल्ली ,13अप्रैल 2023 (ए)। ब्रिटेन की प्रसारक कंपनी ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने 'बीबीसी इंडिया' के खिलाफ विदेशी फंडिंग मामले में कथित तौर पर अनियमितता बरतने के आरोप में फेमा के तहत केस दर्ज किया है। जांच एजेंसी ईडी की ओर से यह जानकारी दी गई है।ईडी के एक अधिकारी ने बताया कि ईडी ने कथित विदेशी मुद्रा विनिमय उल्लंघन के लिए 'बीबीसी इंडिया' के खिलाफ फेमा के तहत मामला दर्ज किया गया है।

संपादकीय

किस अवांछित कारोबारी से मिलते हैं राहुल?

यह बहुत गंभीर आरोप है कि राहुल गांधी विदेश जाते हैं तो अवांछित कारोबारियों से मिलते हैं। कांग्रेस छोड़ने वाले गुलाम नबी आजाद ने यह आरोप लगाया है, जिस पर भाजपा ने राहुल को निशाना बनाया है और उनसे पूछा है कि वे बताएं कि जब वे विदेश जाते हैं तो किन कारोबारियों से मिलते हैं। आजाद ने दसों उदाहरण देने की बात कही है। हालांकि उन्होंने नाम किसी का नहीं लिया है। लेकिन अगर भाजपा ने राहुल पर हमला करने के लिए उनकी बात का संज्ञान लिया है तो क्या सरकार और केंद्रीय एजेंसियों को इसका संज्ञान नहीं लेना चाहिए? केंद्रीय एजेंसियों को संज्ञान लेकर आजाद से पूछताछ करनी चाहिए कि राहुल विदेश जाते हैं तो किन कारोबारियों से मिलते हैं और उसका क्या मकसत होता है।

आजाद ने नेहरू गांधी परिवार के लोगों के कारोबारियों से मिलने के बात कही है लेकिन इसमें कोई दिक्कत नहीं है। असली दिक्कत वाली बात अवांछित कारोबारियों से मिलने की है, जिसके बाद भाजपा ने कहा कि विदेश से लौट कर राहुल केंद्र सरकार पर ज्यादा हमलावर हो जाते हैं। इसका मतलब है कि विदेश में वे ऐसे अवांछित कारोबारी से मिलते हैं, जिसका एजेंडा भारत सरकार के विरोध का होता है। वह कारोबारी भारत का कोई नागरिक है या विदेशी नागरिक है? सरकार का विरोध कराने का उसका क्या एजेंडा है? इन सवालों के जवाब हासिल करने की जरूरत है। इसमें संदेह नहीं है कि अगर आजाद के पास ऐसी कोई जानकारी है तो वह भाजपा को और सरकार को मिल चुकी होगी। अब सवाल है कि उस जानकारी पर सरकार कब कार्रवाई करेगी? वह देशहित में तत्काल कार्रवाई करेगी या चुनाव का इंतजार करेगी?

जाति प्रथा के विरोधी थे डा.अम्बेडकर

भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव अम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग अम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.आम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले भी बनें।

बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव अम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती।

हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था।

भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो अम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। आम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण आंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण आम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था। स्त्री सरोकारों के प्रति डॉ भीमराव

आम्बेडकर का समर्पण किसी जुनून से कम नहीं था।

डा.भीमराव आम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओ के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में आंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लडकों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है। आम्बेडकर के प्रसिद्ध मूलमंत्र की शुरुआत ही 'शिक्षित करो' से होती है। इस मूलमंत्र की पालना से आज कितनी ही महिलाएं शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बन रही है।

बाबा साहेब आम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढाई की थी। डॉक्टर आम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्राहलय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव आंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50 हजार से भी अधिक किताबें थी। यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था।

जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा.आम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.आम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने उनके नेतृत्व में बने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डा.आम्बेडकर ने कहा मैं महसूस करता हूं कि भारत का संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रखने में सक्षम होगा। मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही गलत था। आम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लोक सभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे।

डा.आम्बेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों समर्थकों के साथ एक सार्वजनिक समारोह में एक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। राजनीतिक मुद्दों से परेशान आम्बेडकर का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 6 दिसम्बर 1956 को आम्बेडकर की नींद में ही दिल्ली स्थित उनके घर मे मृत्यु हो गई। 7 दिसम्बर को बम्बई में चौपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली मे उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें उनके हजारों समर्थकों, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया। 1990 में बाबासाहेब डा.आम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सरकारों की उपेक्षा के चलते बाबा साहेब को भारत रत्न सम्मान बहुत देर से प्रदान किया गया। जिसके वे सबसें पहले हकदार थे।

आम्बेडकर के दिल्ली स्थित 26 अलीपुर रोड के उस घर में एक स्मारक स्थापित किया गया है जहां वो सांसद के रूप में रहते थे। देश भर में आम्बेडकर जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। अनेको सार्वजनिक संस्थानो का नाम उनके सम्मान में उनके नाम पर रखा गया है। आम्बेडकर का एक बड़ा चित्र भारतीय संसद भवन में लगाया गया है। हर वर्ष 14 अप्रैल व 6 दिसम्बर को मुम्बई स्थित उनके स्मारक पर हर साल काफी लोग उन्हे अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आते हैं।

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

मेरी जान हैं मेरे पापा

मेरा अभिमान भी और स्वाभिमान
भी हैं मेरे पापा ।
मेरे घर की खुशियां हैं और बड़ी
शान हैं मेरे पापा ।
वो इज्ज़त हैं वो शोहरत हैं और
हमारा साहस हैं ।
हर वक्त दिल मे रहते हैं हां मेरी
जान हैं मेरे पापा ।
आदर्श संस्कार संस्कृति और
सभ्यता तो तुम देखो ।
हमारे घर की एकता और अखंडता
हैं मेरे पापा ।
तुम्हारा ऋण मुझसे तो चुकाया कभी
जायेगा नहीं ।
इस ऋण से मैं ऊऋण हो नहीं
सकता मेरे पापा ।
उपकार माता का पिताजी का पुत्र
कैसे चुकायेगा ।
अगर मां धरती है तो फिर आकाश
हैं मेरे पापा ।
जीवन की इस लड़ाई मे सारथी वो
मेरे ही बने रहे ।
कितना अमीर हो जाऊं मुझसे
अमीर हैं मेरे पापा।
परदेश मे हूं में लेकिन दुआ उनकी
साथ रखता हूँ ।
फ़ासला कितना भी है पर पास दिल
के हैं मेरे पापा ।
मेरी हिम्मत मेरा यक़ीन हैं मुश्ताक
हां मेरे पापा ।
संघर्षों की आंधी में होंसले की
दीवार हैं मेरे पापा ।

डॉ मुश्ताक अहमद शाह
सहज
हरदा मध्यप्रदेश

नीड़

चूं-चूं करती आई
मेरी रानी चिड़िया,
नीड़ बनाती
अपनी बढ़िया- बढ़िया।
नित करते अपने संरक्षण वास्ते,
नीड़ बनाती
अपनी बढ़िया-बढ़िया।।
कल- कल बहती सारी नदियां
रोज विचार करती है चिड़िया।।
रोज पीढ़ी मेरी बढ़े भी आगे कैसे ,
विचार मंथन करती है
नित चिड़िया।।
दाना- पानी भोजन व्यवस्था ,
लगी रहती है हमेशा रानी चिड़िया।।
मीठी मधुर- मधुर गाए गीत नित,
नीड़ अपनी रोज
सुन्दर करती बढ़िया।।
अपनी मधुर वाणी से
मन सबकी मोह लेती,
करती हमेशा
उपकार का कार्य चिड़िया।।
नित नया नीड़ बना
तिनकों से अपनी खुद का ,
प्यार का भाव
सभी में जगाती है चिड़िया।।

डोमेन्द्र नेताम (डोमू)
मुण्डाटोला
डौण्डीलोहारा
बालोद छत्तीसगढ़

भटके मानव

कैसा जमाना आ गया,
करते नहीं सम्मान हैं।
नीचा दिखाने में तुले,
लेने लगे अब जान हैं।।
छोटे बड़े ना देखते,
दुश्मन बने बैठे यहाँ।
ईश्वर स्वयं कहने लगे,
मानव कि क्या पहचान है।।
पापी बढ़े जग में यहाँ,
सत राह को सब छोड़ते।
उपदेश देना जानते,
वे ग्रंथ से मुँह मोड़ते।।
ईर्ष्या भरे मन में जहाँ,
गलती नहीं स्वीकारते।
भटके मनुज हर राह से,
नाता सभी से तोड़ते।।
हम एक माटी के बने,
इक दूसरे से प्रीत है।
मधुरस भरे वाणी रहें,
हर कदम में संगीत है।।
है जन्म मानव का लिए,
खेलें धरा की गोद में।
गर द्वेष मन से त्याग दें,
प्रतिदिन हमारी जीत है।।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

अदानी भी भारत देश के सरकार ही हैं!

यह बात क्या आज लोगों के दिल-दिमाग में नहीं है? यदि नरेंद्र मोदी का नाम बतौर सरकार घर-घर में है तो अदानी भी भारत के घर-घर पहुंच गए है। राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल और खुद नरेंद्र मोदी ने उन्हे घर-घर पहुंचाया है। आजाद भारत के इतिहास में पहली बार प्रधानमंत्री और खरबपति बतौर एक-दूसरे के पर्याय घर-घर चर्चित हैं। जब ऐसा है तो देश की राजनीति, सत्ता और विपक्ष के शक्ति परीक्षण के केंद्र में भी अदानी हैं।जैसे नरेंद्र मोदी के लिए 2024 का चुनाव जिंदगी-मौत का सवाल है वैसे ही गौतम अदानी के लिए भी है। एक क्षण के लिए कल्पना करें कि मई 2024 में नरेंद्र मोदी चुनाव हार जाएं, सरकार नहीं बना पाएं तबक्या होगी मोदी व अदानी की दशा?

उफ! सोचना भी दहला देने वाला है। तभी शक्ति और पैसे, लाठी और गाजर, नगर कोतवाल और नगर सेठ की साझा ताकत से भारत को जीतने का अगला चुनावी अश्वमेध है। वह कैसा होना है,इसकी कल्पना संभव नहीं है। साम, दाम, दंड, भेद के तमाम तरीकों और देश की कीमत तक पर लड़ाई लड़ कर उसे जीता जाएगा।

तभी इस सप्ताह की शरद पवार की सनसनी का खास अर्थ नहीं है। हैरान नहीं होना चाहिए कि शरद पवार ने क्यों अदानी की तरफदारी की? उन्होंने कांग्रेस, आप और राहुल-केजरीवाल से अलग सुर में क्यों बोला? और नतीजतनअब महाराष्ट्र में कैसे शरद पवार,उद्धव ठाकरे और कांग्रेस इकट्ठे लोकसभा चुनाव लड़ सकेंगे?

बेतुकी चिंता है। यह अदानी सरकार द्वारा लोगों का ध्यान भटकाने का वैसा ही फितूर प्रायोजन है जैसे मोदी सरकार आए-दिन हेडलाइन मैनेजमेंट से ध्यान हटवाने की सुर्खियां बनवाती है। बेसिक तथ्य है कि शरद पवार की कही बातें उस इंटरव्यू में हैं, जिसका इंटरव्यूकर्ता अदानी ग्रुप का नौकर है और उस एनडीटीवी से वह प्रसारित है, जिसे अदानी ने खरीदा है। सोचें, अदानी और अंबानी सेठों ने क्यों मीडिया और चैनल खरीदे हुए हैं? इसलिए ताकि वे वैसे ही अपने हित में प्रोपेगेंडा बनवाएं जैसे सरकार बनवाती है। मोदी सरकार और अदानी सरकार दोनों की दुकानों का साझा मकसद विरोध को खत्म करना है। यह बात निश्चित ही शरद पवार भी जानते हैं। बावजूद इसके उन्होंने अदानी के मीडिया को इंटरव्यू दे कर जेपीसी की मांग, हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर अपनी अलग राय रखी तो जाहिर है भारत की दुकानी राजनीति में शरद पवार का भी अपना मकसद होगा। सवाल है नेता का क्या मकसद होता है?सपाट जवाब है अपनी दुकान की वैल्यू बनाना। लोकसभा चुनाव के लिए जुगाड़ बनाना। कल्पना कर सकते हैं कि अदानी पर अपना सुर निकाल कर मोदी-अदानी की निगाह में, राहुल-उद्धव और पूरे विपक्ष में जैसा जो विचार है तो उस सबसे शरद पवार कीकैसी स्वार्थ सिद्धि होगी!

इसलिए शरद पवार का मामला झाग है। शरद पवार गुरू हैं। मोदी-अदानी गुजराती व्यापारी हैं तो शरद पवार पुराने खांटी मराठा। शरद पवार और उनके कुनबे ने इतनी गांठें बांधी हुई हैं कि तमाम कोशिशों के बावजूद वे शिखंडी बनें, यह असंभव है। मोदी सरकार और अदानी सरकार यदि आजाद भारत के इतिहास में अनहोने बनते हुए हैं तो वजह कुल मिलाकर वह कौरव चरित्र है, जिसमें एक इंच जगह किसी और के लिए नहीं है। जिन्होंने उद्धव ठाकरे या अंबानी के लिए भी जगह नहीं रहने दी तो भला कैसे संभव जो सामान्य मानविकी वाली राजनीति के लोग भविष्य के व्यवहार में मोदी सरकार, अदानी सरकार को बख्शने का ख्याल रखें। ये कितनी ही बड़ी सेना बना लें, कितना ही कुबेर बना लें, कितने ही साल राज कर लें, महाभारत का अंत नतीजा तो वही होगा जो अहंकार का हुआ था।

सो मोटी बात शरद पवार महाराष्ट्र की अपनी किलेबंदी में ढीले नहीं पड़ने हैं। वे उद्धव ठाकरे, कांग्रेस और एनसीपी से साझे में चुनाव लड़ने की रणनीति में डटे रहेंगे। यों दुकान में वह हर संभव कोशिश है, जिससे शरद पवार, उद्धव ठाकरे और राहुल गांधी में परस्पर अविश्वास बने। हिसाब से प्रायोजित इंटरव्यू में शरद पवार का यह कहना गलत नहीं था कि जेपीसी की जांच से होना क्या है? जेपीसी से ज्यादा कोर्ट की जांच ठीक या हिंडनबर्ग का क्या मतलब है? इससे कोई अदानी के पुराने दिन लौटेगें? कतई नहीं। असलियत में शेयर बाजार, वैश्विक प्रतिक्रिया और राहुल गांधी के लोकसभा तथा अरविंद केजरीवाल के दिल्ली विधानसभा में दिए भाषण से अदानी सरकार पर कालिख पुत गईहै। सोचें, क्यों भला दुनिया ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर विश्वास किया? अदानी ग्रुप के बाजे बचाए? ऐसे बाजे कि अब पता ही नहीं है कि गौतम अदानी दुनिया के खरबपतियों में कहां हैं! जेपीसी, अदालत जांच, सीबीआई-ईडी जैसी भारत की जांचों का अर्थ बचा हीनहीं है जब वैश्विक वित्तीय बाजार ने अपनी तह खुद सबकुछ समझ कर दुनिया के नंबर दो खरबपति को बदनामी-गुमनामी में धकेलदिया है। वही सच भारत में भी घर-घर अदानी के नाम के साथ पहुंचा हुआ है। लोग अपने आप महंगाई, बरबादी-बेहाली में उस अदानी का नाम लेते हैं, जिसके विवाद के साइड इफेक्ट में घर-घर नरेंद्र मोदी की डिग्री तक चर्चा अब है तो यह नैरेटिव भी कि यदि पढ़ा-लिखा प्रधानमंत्री होता तो क्या यह सब होता जो हुआ हैं!

मेरा मानना है नरेंद्र मोदी ने भी कल्पना नहीं की होगी कि उनकी सरकार के नौवें साल में गौतम अदानी सरकार की वे प्रतिछाया बनेंगे। और उन्हे क्या-क्या करना पड़ेगा!मतलब राहुल गांधी का लोकसभा में दिया भाषण रिकॉर्ड से हटवाना पड़ेगा! संसद का पूरा बजट सत्र बरबाद! राहुल गांधी की सदस्यता खत्म। अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी उन्हें झूठी डिग्री का बेपढ़ा बताएंगी तो दिल्ली विधानसभा में वह केजरीवाल का वह भाषण अंकितजो न केवल इतिहास का साक्ष्य होगा बल्कि जिसे झुठलाने के लिए किसी तरह की जांच करवा सकनाभी संभव नहीं।

क्या यह सब अदानी सरकार का मोदी सरकार पर बोझ नहीं है? वह बोझ जिसके भार में नरेंद्र मोदी की पूरी राजनीति अब राहुल, केजरीवाल, आप, कांग्रेस याकि विपक्ष को गालियां देने वाली हो गई है। 140 करोड़ लोगों के लोकतंत्र में अब एक भी वह मंच नहीं है जहां पक्ष-विपक्ष में तनिक भी संवाद संभव।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट से पहले गौतम अदानी सिर्फ एक खरबपति थे। दुनिया के खरबपतियों की लिस्ट का एक सेठ। मगर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद वे क्याहैं? वह धनपति सरकार, जिसने अपनी दादागिरी, अपने जादू-मंतर से वह एपांयर रचा, जिसे हिंडनबर्ग ने जरा सी सुई चुभाई तो सारा वैश्विक जलवा हवा हवाई!

हरिशंकर व्यास

पसंद-नापसंद लोगों की लिस्ट हमें बनाती है पक्षपाती

कहा जाता है कि फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन। पर शायद यह भी हो सकता है कि आप जिससे पहली बार मिल रही हैं, वह आप से मिलते समय किसी चिंता या फिक्र में हो, किसी वजह से नर्वस हो या किसी मुश्किल में हो और उस समय शायद आप से अच्छी तरह बात नहीं कर सका तब अधिकतर लोग ऐसे व्यक्ति के बारे में पहली बार में थोड़ा निगेटिव सोच लेते हैं, उस व्यक्ति को एरोगंट या डम्ब मान बैठते हैं। अलबत्त, हर मामले में ऐसा नहीं होता। कभी आप जिस व्यक्ति के बारे में गलत धारणा बनाए बैठी हैं, उससे जैसे-जैसे परिचय होता जाता है, वैसे-वैसे अनुभव होता है कि आप उसे जितना घमंडी या डम्ब समझ रही थीं, वह उतना घमंडी या डम्ब नहीं है। यह तो मात्र उदाहरण है। यह तो मात्र पहली मीटिंग यानी फर्स्ट इम्प्रेशन की बात है। बाकी इस तरह देखा जाए तो हम सभी के पास पसंद और नापसंद लोगों की पूरी लिस्ट होती है। ज्यादातर यह लिस्ट में स्त्रियों की अधिक लंबी होती है। इसलिए होता यह है कि पसंद लोगों की हर बात हम खुशी-खुशी पचा लेते हैं और नापसंद लोगों की अच्छी बात में भी अनेक कमियां निकालते हैं। पसंद लोगों की खराब बात के लिए भी आंख-कान बंद करने में हिचकिचाहट नहीं होती, जबकि नापसंद लोगों की अच्छी बात को भी चिल्ला-चिल्लाकर सब से कहती फिरती हैं।

किसी भी व्यक्ति के लिए किसी भी तरह की ग्रंथि न पालें

हम कभी यह नहीं सोचतीं कि पसंद-नापसंद व्यक्ति की लिस्ट हमें पक्षपाती बना देती है। हम हर व्यक्ति के साथ मन में रहने वाली मान्यता के अनुसार ही व्यवहार करती हैं। मनुष्य बहुत स्वार्थी होता है। वह अपनी जरूरत के अनुसार अपनी पसंद और नापसंद व्यक्ति की लिस्ट क्रिएट करता है। यह बात कड़वी, पर उतनी ही सत्य है। खास कर महिलाओं में यह अधिक देखने को मिलता है। यहां किसी तरह की टीका की बात नहीं है, पर महिलाएं खुद को टटोल कर तटस्थतापूर्वक देखेगी तो उन्हें ख्याल आएगा कि ससुराल के लोगों के लिए उनके मन में खराब विचार मायके के लोगों की अपेक्षा अधिक है। अपनी बहन के प्रति अलग लगाव और पति की बहन के लिए अलग विचार। अपनी मां के लिए अलग सोच और पति की मां के लिए अलग सोच। नो डाऊट, सभी मामलों में ऐसा नहीं हो सकता। अमुक मामलों में खराब अनुभवों के आधार पर भी सोच और व्यवहार बदल जाता है। पर ज्यादातर पसंद और नापसंद लोगों की लिस्ट ऐसे ही बनती है। आप खुद ही सोचिए कि आप को एक भी कड़वी बात अप की सास या ननद ने कही हो तो इसके लिए आप का रिएक्शन कैसा होगा और आप की बहन या मां ने वही बात कही हो तो इसके लिए आप का रिएक्शन कैसा होगा। सीधी बात है, फेर पड़ेगा ही। सगी मां और बहन की कही बातों में लगाव है, यह सोच कर आप ग्रहण कर लेगीं अथवा भूल जाएंगी। जबकि सास या ननद ने वही बात कही हो तो वह बात जल्दी नहीं भूलेंगी। उस बात को मन के किसी कोने में इतनी कड़वाहट के साथ संभाल कर रखेंगी कि आप को हमेशा ऐसा लगता रहेगा कि मौका मिलते ही उस बात को ब्याज के साथ सामने वाले के समक्ष रख दूं।

ज्यादातर समस्याएं इसी वजह से होती हैं

ज्यादातर पारिवारिक समस्याएं इसी पसंद-नापसंद की लिस्ट की वजह से होती हैं। यहां पढ़ा-लिखा, कम पढ़ा-लिखा या मार्डन कोई भी हो सकता है, इस मामले में हर एक की मानसिकता एक जैसी ही होती है। इसी वजह से घरों में किचकिच होती है। क्योंकि अपनी पसंद के लोगों की अच्छी-खराब बातों को हम नजरअंदाज कर देती हैं, जबकि नापसंद या कम नापसंद लोगों की छोटी सी गलत बात को हम सहन नहीं कर पातीं। अधिकांश मामलों में तो यह होता है कि नौकरी करने वाली महिला अपना बच्चा संभालने के लिए अपनी सास की अपेक्षा अपनी मां या मायके वालों पर अधिक भरोसा करती है। बच्चे को रखने की हर एक की अपनी अलग रीति होती है। पर तमाम महिलाओं को मायके वाले उसके बच्चे को किसी भी तरह रखें, उसे अच्छा लगता है। जबकि ससुराल वाले उसी तरह रखते हैं तो इस मामले में सत्तर शिकायतें होती हैं। यह तो मात्र बच्चे का उदाहरण था, संबंधों में इस तरह न जाने कितना होता रहता है। यहां समझने वाली बात यह है कि आप का यही पक्षपातीपन घर में अधिकांशत- किचकिच का कारण बनता है। यहां रोजरोज के जीवन के कितने ही उदाहरण दिए जा सकते हैं।आप खुद ही निस्पक्षता से एक बार सोच कर देखेंगी तो आप को अंदाज लग जाएगा कि आप कितने लोगों के प्रति पक्षपाती हैं और कितने लोगों की छोटी छोटी बातें भी खटकती हैं। हम हर किसी के लिए क्यों समभाव नहीं रख सकतीं यह सवाल खुद से जरूर करना चाहिए। नो डाऊट, कभी-कभी अनेक लोगों की ओर से हमें कड़वे अनुभव होते हैं, पर कहीं न कहीं ये कड़वे अनुभव भी उनकी नापसंद लोगों की लिस्ट में हमारे होने के कारण ही होते हैं। आप को जिस व्यक्ति की ओर से कड़वा अनुभव हुआ हो, उस व्यक्ति से दूर रहना सीखें, पर मेरातेरा कर के पसंद लोगों की और नापसंद लोगों की लिस्ट न बनाएं। इस लिस्ट के कारण कभी-कभी हम इस हद तक चली जाती हैं कि नापसंद लोगों के बारे में कुछ भी कहने से नहीं हिचकतीं। ऐसे तमाम मामलों में यह भी होता है कि महिला के मायके में उसके माता-पिता एकदम साधारण स्थिति में होते हैं तो उनके प्रति भारी करुणा होती है। वह कुछ भी कर के अपने माता-पिता की मदद के लिए तत्पर रहती है। इसमें कुछ गलत भी नहीं है, मदद करनी भी चाहिए। पर दूसरी ओर कुछ मामलों में ऐसा होता है कि पति के माता-पिता साधारण परस्थिति में होते हैं और उनका गुजारा बेटे के वेतन पर होता है, तब महिलाओं का व्यवहार एकदम अलग हो जाता है। अपना पति माता-पिता की मदद कर के कितना बड़ा उपकार कर रहा है, यह सोचने वाली भी महिलाएं हैं। पर यहां केवल महिलाओं की ही बात नहीं हो रही है, कुछ हद तक पुरुषों में भी ऐसा होता है। पर पुरुषों में महिलाओं की अपेक्षा पसंद-नापसंद लोगों की लिस्ट की भावना बहुत कम होती है। यह कड़वी वास्तविकता है। कभी-कभार हर व्यक्ति से खुद से यह सवाल कर के जितना हो सके उतना तटस्थ रहने का प्रयास करना चाहिए। ऐसा करने पर अनेक सवाल अपने आप दूर हो जाएंगे।

स्नेहा सिंह
नोएडा
उत्तरप्रदेश

स्त्रियों पर वैचारिक अवधारणा,पितृ सत्तावाद से नारियों के विकास में व्यवधान

पूरी दुनिया में ही नहीं बल्कि भारत में भी अब स्त्री जागरण तथा नारी सशक्तिकरण की बयार बहने लगी हैद्य भारत अब पहले जैसा भारत नहीं रहा अब भारत की नियम राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना लोहा मनवाने के लिए तैयार हैं। आवश्यकता यह है कि स्त्रियों को पति, भाई ,पिता और पुत्र का निरंतर एवं मजबूत सहयोग मिलता रहेद्य सहयोग या सहायता मिले न मिले देश में स्त्रियों को आगे की ओर बढ़ने तथा अग्रसर होने से हतोत्साहित किन्हीं भी परिस्थितियों में नहीं किया जाना चाहिएद्य कोई भी विचार निर्वात में उत्पन्न नहीं होता है यह उन परिस्थितियों के गर्भ से जन्म लेता है, जिसके मूल में जड़ हो चुके समाज की रूढ़िवादिता को गिरा कर परिवर्तन की धारा को आत्मसात किया जाना होता हैद्य स्त्री विमर्श भी इन्ही नए पंखों को खोजने का एक नया प्रयास है यह एक ऐसा प्रयत्न है जो आदिकाल से निर्धारित कर दी गई उन मान्यताओं से टकराने का प्रयास करता है जहां महिलाओं को निजी पारिवारिक सीमाओं को लांघ कर समाज की सीमाओं में जाने का पुरजोर विरोध है, जहां पर स्त्रियों लड़कियों के लिए त्याग ,शर्म, सहनशीलता जैसे नैसर्गिक गुण बताए गए हैं और विस्तार, विजय के प्रतिरोध को पुरुष पुरुषार्थ का पर्याय माना जाता रहा हैद्य यहां स्त्रियों की पहुंच घर की चौखट तक ही सीमित कर दी गई है आदिकाल से स्त्री एक वस्तु मानी जाती है और यहां स्त्री का परम कर्तव्य पुरुष को संपूर्णता प्रदान करना है। सरल शब्दों में कहा जाए तो स्त्री विमर्श स्त्री पुरुष के बीच व्याप्त असमानता की खाई को दूर कर लैंगिक निरपेक्ष होकर घर तथा समाज में समानता के अधिकार को देने की स्पष्ट कोशिश हैद्य स्त्री विमर्श की लड़ाई या स्त्रियों के उत्थान की कोशिश उस मानसिकता के खिलाफ है जो स्त्रियों को पुरुष से कमतर मानकर उसे द्वितीय श्रेणी के व्यक्ति का दर्जा प्रदान करता है और लड़ाई उस मानसिकता से पैदा हुई कुछ दमनकारी व्यवस्था से है जिसमें स्त्रियों के साथ सदैव भेदभाव होता आया हैद्य स्पष्ट है कि इस व्यवस्था में पितृसत्तावाद का बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण सरोकार है। पितृसत्ता वाद से हमारा मतलब पिता का शासन से ही हैद्य स्पष्ट है कि यह पिता तथा पुरुषों का शासन है और इस व्यवस्था की स्त्री विमर्श का रोनक कई स्तरों पर आलोचना भी की है। बाद में स्त्रियों को घर में सीमित कर उन्हें दोयम दर्जे का पारिवारिक सदस्य माना गया है, सामान्यतः महिलाओं का कार्य घर का खाना बनाना बच्चों का लालन-पालन करना जैसे घरेलू अन्य कार्य हैं। स्त्री विमर्श का उद्देश्य व्यापक है इससे स्त्रियों के जीवन में पुरुषों के बराबर स्तर पर आकर जीवन में आमूलचूल परिवर्तन लाना ही है। चाहे वह घरेलू क्षेत्र हो, सामाजिक क्षेत्र हो अथवा सार्वजनिक क्षेत्र हो इन सब में महिलाओं की भागीदारी समानता से सुनिश्चित किया जाना भी अत्यंत आवश्यक है।

इतिहास में भी देखें तो उन तीनों को पहला संघर्ष उन दार्शनिक सिद्धांतों से भी था जहां संपूर्ण दर्शन पुरुष मूल्यों को परिपूर्ण होकर स्त्रियों के प्रति विद्वेष की भावना रखता आया है।

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़,

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

'सभी के सहयोग से अंबिकापुर स्वच्छता के क्षेत्र में कर रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन'

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

नगर निगम के वार्ड क्रमांक 13-14 के निवासियों के साथ स्वच्छता संबधी चर्चा हेतु वार्ड सभा का आयोजन नमनकला के झंझट पारा में आयोजित की गई। इस सभा में स्वच्छता प्रश्नोत्तरी, रगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस वार्ड सभा में निगम आयुक्त प्रतिष्टा ममगाई द्वारा नगर स्वच्छता के महत्व एवं नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही अपील की गई कि आप सभी के सहयोग से हमेशा अंबिकापुर स्वच्छता में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। इस भावना को हमेशा बनाए रखना और स्वच्छता दीदियों को सहयोग करना, वार्ड में सफाई बनाए रखना है।

वार्ड पार्षद ने वार्ड वासियों से स्वच्छता दीदियों को निरंतर सहयोग प्रदान करने की अपील की गई। पार्षद अवधेश सोनकर द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में सक्रिय भागीदारी हेतु वार्ड वासियों से आग्रह किया गया। वार्ड सभा में वार्ड में उत्कृष्ट सहयोग करने वाले 5 नागरिकों को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वालें 5 बच्चो को पुरस्कार वितरण किया गया साथ ही जो पूर्व में सहयोग नहीं करते थे उन्हें समझाया गया और स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम के समाप्ति पर वार्ड के एक दीवार को नागरिक सहभागिता दीवार के रूप में सभी ने हस्त चिन्ह लगाकर स्वच्छता शपथ लिया गया। इस वार्ड सभा में स्वच्छता दीदी सहित वार्ड के नागरिक उपस्थित रहे।

टैलेंट सर्च प्रोग्राम के माध्यम से 24 बालिका खिलाड़ियों का हुआ चयन

» गांधी स्टेडियम में टैलेंट सर्च प्रोग्राम हुआ आयोजित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

गांधी स्टेडियम में आयोजित टैलेंट सर्च प्रोग्राम में मैनपाट, लखनपुर, सीतापुर, बलरामपुर एवं स्थानीय खिलाड़ियों को मिलाकर 104 बालिकाओं ने पंजीयन कराया जिसमें से 56 बालिकाओं ने भाग लिया। सरगुजा जिला बास्केटबाल संघ के अध्यक्ष आदितेश्वर शरण सिंहदेव, साई ट्रेनिंग सेंटर राजनांदगांव, दिल्ली पब्लिक स्कूल, युगांतर पब्लिक स्कूल राजनांदगांव एवं सर्वज्ञ राव बास्केटबॉल एकेडमी के विशेष सहयोग से आयोजित किया गया। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि बास्केटबॉल ग्राउंड में आयोजित टैलेंट सर्च प्रोग्राम में 56 बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें से 24 खिलाड़ी चयनित हुए। इन चयनित खिलाड़ियों को इंटरनेशनल बास्केटबॉल कोच के राजेश्वर राव, साई सहायक कोच दिव्या धारावथ एवं कोच कालव राधा राव सर्वज्ञ राव बास्केटबॉल एकेड्मी द्वारा एडवांस ट्रेनिंग दिया जाएगा। खिलाड़ियों के रहने की व्यवस्था दिल्ली पब्लिक स्कूल, युगांतर पब्लिक स्कूल राजनंदगांव द्वारा किया जाएगा। टेंलेंट सर्च प्रोग्राम के चयनित खिलाड़ियों को 14 अप्रैल को शाम ट्रेन के द्वारा राजनांदगांव ले जाया जाएगा। जहां इन खिलाड़ियों को जीरो लेवल से ट्रेनिंग स्टार्ट किया जायेगा। यह ट्रेनिंग 10 दिनों तक चलेगी। 25 अप्रैल को फाइनल चयन लिस्ट का घोषणा होगा। इस टेंलेंट सर्च प्रोग्राम में इन्टरनेशनल बास्केटबॉल खिलाड़ी व खेलो इंडिया मेडलिस्ट टीम कप्तान रिया प्रमोद कुनघडक़र व अंतरराष्ट्रीय बास्केटबाल व खेलो इंडिया मेडलिस्ट खिलाड़ी डिंपल धोबी भी आज उपस्थित थे।

जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन एजेंसी की संभागीय बैठक संपन्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रणवीर शर्मा की अध्यक्षता में गत बुधवार को छत्तीसगढ़ राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन एजेंसी (सीजी स्वामा) की संभागीय बैठक जिला पंचायत सभाकक्ष में संपन्न हुआ। बैठक में संभाग के सभी जिलों के उप संचालक कृषि तथा परियोजना अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में शर्मा द्वारा पीएमकेएसवाई डब्लूडीएस 2.0 की समीक्षा की गई जिसमें उनके द्वारा परियोजना के उद्देश के बारे में बताया गया। शर्मा ने बताया कि यह ऐसी योजना है जिससे जलग्रहण क्षेत्र में निवासरत किसानों का सर्वांगीण विकास संभव है। जल एवं भूमि संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन, क्षेत्र विस्तार तथा कृषि विविधीकरण एवं समूह में रहकर कार्य करने का अवसर एवं प्रेरणा मिलता है। उन्होंने समय-सीमा में आवंटित कार्यक्रम तथा डीपीआर में प्रस्तावित कार्य को पूर्ण करने तथा प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त होते ही कार्य आरंभ किए जाने कहा। समीक्षा बैठक में रायपुर से सुरज देव कुशवाहा सहित संभाग अंतर्गत जलग्रहण समितियों के डब्ल्यूडीटी एवं डब्ल्यूसीडीसी के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक उपरांत राज्य स्तरीय दल द्वारा विकासखंड लखनपुर में परियोजना अंतर्गत संचालित कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अमृत महोत्सव ग्राम कुन्नी का निरीक्षण एवं महिला स्वयं सहायता समूहों और उपस्थित किसानों से परिचर्चा भी की गई।

जारी आवंटन राशि का गुणवत्तापूर्ण उपयोग करने हेतु निर्देशित किया। बैठक में संयुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी रायपुर कपिल देव दीपक द्वारा जलग्रहण समिति के माध्यम से कराए जा रहे निर्माण कार्यों का प्रगति तथा

डीके शर्मा तथा तृप्तराज सिंह धंजल लगातार दूसरी बार अध्यक्ष व सचिव निर्वाचित

» टैक्स बार एसोसिएशन सरगुजा का चुनाव सम्पन्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

टैक्स बार एसोसिएशन सरगुजा की वर्ष 2023-25 कार्यकारिणी हेतु चुनाव 12 अप्रैल को स्थानीय होटल में सम्पन्न हुआ। चुनाव में अध्यक्ष पद हेतु अभिषेक शर्मा एवं डीके शर्मा के बीच एवं सचिव पद हेतु लक्ष्मण साहू एवं तृप्तराज सिंह धंजल के बीच सीधा मुकाबला था। अध्यक्ष पद हेतु लगातार दूसरी बार डीके शर्मा एवं सचिव पद हेतु तृप्तराज सिंह धंजल निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी एसजी पांडेय तथा आरके ओझा द्वारा चुनाव सम्पन्न कराया गया। टैक्स बार एसोसिएशन सरगुजा के चुनाव पश्चात अध्यक्ष डीके शर्मा, सचिव टीएस धनजल, कोषाध्यक्ष योगेश जैन, उपाध्यक्ष प्रथम प्रवीण सिंह, उपाध्यक्ष द्वितीय उषा

अग्रवाल, संयुक्त सचिव प्रथम एलपी वर्मा, संयुक्त सचिव द्वितीय पुनीत गुप्ता, प्रचार एवं सांस्कृतिक सचिव अंकित अग्रवाल, लेखापाल संजय अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य, अजय केसरी, कमलेश जायसवाल, वेद प्रकाश शुक्ला, शमसार अली, शिवा अग्रवाल निर्वाचित घोषित किए गए।

बार के निर्वाचित अध्यक्ष ने सभी को साथ लेकर बार एवं व्यवसाय जगत के हित में कार्य करने की बात कही। जीएसटी सरलीकरण की दिशा में, प्रत्यक्ष कर तथा अप्रत्यक्ष कर को लेकर आम जनता एवं व्यवसायी वर्ग में जागरूकता फैलाने एवं राष्ट्र निर्माण में सहयोगी बनने की बात कही। निर्वाचित सचिव टीएस धंजल ने उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया तथा बार के हित में सभी को साथ लेकर कार्य करने का संकल्प लिया। चुनाव अधिकारी द्वय एसजी पांडेय तथा आरके ओझा ने शत प्रतिशत मतदान होने पर सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी इसी सक्रियता के साथ बार की गतिविधियों में शामिल होने का आह्वान किया।

अनाचार के मामले मे सरगुजा पुलिस को मिली सफलता, आरोपी चंद घंटे मे गिरफ्तार

» थाना गांधीनगर द्वारा मामले मे की गई त्वरित कार्यवाही

» पुलिस अधीक्षक सरगुजा के निर्देशन मे महिला उत्पीड़न पर सख्त कार्यवाही करने किया गया हैं निर्देशित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

प्रार्थिया द्वारा थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि सूरज चेरवा साकिन गांधीनगर द्वारा प्रार्थिया को शादी का झांसा देकर जबरन अनाचार किया गया हैं, प्रार्थिया कि रिपोर्ट पर सदर धारा 376(2)(एन), भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री राम गोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के सतत मार्गदर्शन मे पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्रीमती भावना गुप्ता (भा.पु.से.) के निर्देशन मे महिला उत्पीड़न के आरोपी का पता तलाश कर शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु दिशा निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला (भा.पु.से.), प्रशिक्षु आईपीएस चिराग जैन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अखिलेश कौशिक के नेतृत्व मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक धीरेन्द्र दुबे एवं पुलिस टीम द्वारा आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था।

दौरान जांच विवेचना आरोपी सूरज चेरवा साकिन गांधीनगर की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अनाचार की घटना कारित करना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक धीरेन्द्र दुबे, सहायक उप निरीक्षक नवल किशोर दुबे, आरक्षक अजय तिवारी, उमाशंकर साहु, श्याम लाल, घनश्याम देवांगन, दिलबोधन राम शामिल रहे।

कानून व्यवस्था की स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण हेतु किया गया बलवा मॉक ड्रिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

जिले में कानून व्यवस्था की स्तिथि पर नियंत्रण करने एवं पुलिस बल को सक्रिय करने के उद्देश्य से रक्षित केंद्र अम्बिकापुर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला के नेतृत्व में बलवा नियंत्रण का मॉक ड्रिल कराया गया। बलवा ड्रिल के अभ्यास दौरान सरगुजा पुलिस द्वारा उपयोगी संसाधनों का उपयोग कर कानून व्यवस्था की स्तिथि को बनाय रखने हेतु महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों एवं उनके प्रभावी नियंत्रण की व्यवस्था के बारे में भी पुलिस बल को आवश्यक जानकारी से अवगत कराया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला द्वारा बलवा मॉक ड्रिल में शामिल

अधिकारियों कर्मचारियों को बलवा ड्रिल के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों को बताकर त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक सरगुजा के निर्देशन में बलवा नियंत्रण मॉक ड्रिल के माध्यम से अधिकारियों कर्मचारियों को सक्रिय रहने हेतु निर्देशित किया गया। किसी भी कानून व्यवस्था की स्तिथि में बलवा ड्रिल का समुचित उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। मॉक ड्रिल के दौरान जिला प्रशासन एवं सरगुजा पुलिस के अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

बुधरा नदी में उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य घटिया और गुणवत्ता विहीन होने का लग रहा है आरोप

- राजेन्द्र शर्मा -
खड़गवां, 13 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

देवाडाड से पेंडरी व्हाया मंगोरा मार्ग पर बन रहे पुल का हो रहा गुणवत्ता विहीन निर्माण सामाग्री से निमार्ण कार्य गुणवत्ता विहीन गिट्टी एवं ओवर साइज गिट्टी का इस्तेमाल कर करोड़ों के लागत की पुल का निर्माण कार्य लोक निर्माण सेतु निगम विभाग के निरीक्षण में और ठेकेदार के द्वारा कराया जा रहा निर्माण कार्य?

देवाडाड से पेंडरी व्हाया मंगोरा से जाने वाले मार्ग पर ग्राम पंचायत मंगोरा में बुधरा नदी में उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य में लोक निर्माण विभाग के नियम शर्तों को दरकिनार कर ठेकेदार के द्वारा विभाग के अधिकारियों के साथ सांठगांठ कर 18.16 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन पुल में बिना आर एम सी प्लांट के निर्माण कार्य को किया जा रहा है जो निर्माणाधीन पुल की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा कर रहा है जब करोड़ों की लागत का उच्च स्तरीय पुल लोक निर्माण विभाग के नियम शर्तों एवं मापदंडो के बिना पुल का निर्माण कार्य कैसे करा दिया जा रहा है?

इस उच्च स्तरीय पुल के निर्माण कार्य में जो गिट्टी का इस्तेमाल किया जा रहा है वह भी गुणवत्ता विहीन है एवं पुल निर्माण में जो कांक्रीट बिना आर एम सी प्लांट के तैयार किया जा रहा है उसे कैसे क्वालिटी कंट्रोल के द्वारा पास कर दिया गया होगा जब इस पुल निर्माण कार्य में जिन मशीनों का और जिस गुणवत्ता और मापदंड पर निर्माण कार्य कि सामाग्री का मिश्रण कर उपयोग किया जाना था वो तो कहीं पर नहीं जा रहा है और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के आंखों के सामने बिना आर एम सी प्लांट के उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य धड़ल्ले से किया जा रहा है।

गुणवत्ता विहीन 20 एम एम गिट्टी की जगह 25 एवं 30 एम एम गिट्टी का धडल्ले से ठेकेदार के द्वारा उपयोग सीमेंट कंक्रीट के लिए किया जा रहा है।

करोड़ों रुपये की लागत के पुल का निर्माण कार्य बिना आर एम सी (रेडी मिक्स कंक्रीट) प्लांट किया जा रहा है

क्या उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह नहीं लग रहा है है ?

क्या इस उच्च स्तरीय पुल के निर्माण कार्य और नियम शर्तों मापदंडों का पालन नहीं किया गया है तो पुल की गुणवत्ता युक्त निर्माण कार्य सही होना लोक निर्माण विभाग स्वीकार करेगा?

क्या लोक निर्माण विभाग सेतु निगम के द्वारा ठेकेदार पर निर्माण कार्य में आर एम सी प्लांट के बिना पुल निर्माण कार्य किए जाने पर क्यो रोक नहीं लगाई?

क्या लोक निर्माण विभाग सेतु निगम के साइड इंजिनियर एस डी ओ के द्वारा ठेकेदार को बिना आर एम सी प्लांट के पुल का निर्माण कार्य क्यो करने दिया ?

क्या लोक निर्माण विभाग सेतु निगम के इंजीनियर और एसडीओ की मिली भगत से बिना प्लांट के निर्माण कार्य किया जा रहा है?

क्या इस उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य में विभाग के उच्च अधिकारियों एवं राज्य स्तरीय जांच टीम को ठेकेदार के द्वारा बिना आर एम सी प्लांट लगाए निर्माण कार्य किया जाना उनकी जांच में नहीं दिखाई दिया?

अब देखना है कि इस उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य में विभाग इस निर्माणाधीन पुल के ठेकेदार पर क्या कार्रवाई करेगा कि उसे आगे के निर्माण कार्य की खुली छूट देगा?

आर सी सी कंक्रीट निर्माण कार्य में आर एम सी प्लांट लगाये जाने के बाद ही उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाना था जो ठेकेदार ने नहीं किया और पुल का निर्माण कार्य बिना आर एम सी प्लांट लगाए शुरू कर दिया है।

इस आर एम सी प्लांट से किसी तरह पुल निर्माण कि सामाग्री का मिश्रण तैयार किया जाता है। इस प्लांट में सभी निर्माण सामग्री सीमेंट गिट्टी रेता पानी आदि का मिश्रण एक बराबर मात्रा में कंक्रीट तैयार किया जाता है और इस मिश्रण को वाईब्रेटर मिक्सर के द्वारा निर्माण स्थल तक पहुंचाया जाता है जिससे आर सी सी पुल निर्माण कार्य किया जाता है जो इस करोड़ों रुपए की लागत की पुल निर्माण कार्य में आर एम सी प्लांट भी कहीं पर पुल निर्माण स्थल पर नहीं लगाया गया है केवल अजाकश मशीन के द्वारा बिना मापदंड के ठेकेदार के द्वारा उच्च पुल का निर्माण कार्य मनमाने तरीके से सेतु निगम के अधिकारियों के नजरों के सामने एवं संरक्षण में धड़ल्ले से निर्माण कार्य किया जा रहा है।

विभागीय एस डी ओ फोन उठाना नहीं समझते मुनासिब

आपको बता दे की देवाडाड से पेंडारी व्हाया मंगोरा के बुधरा नदी में बन रही उच्च स्तरीय पुल में जिसे एस डी ओ के द्वारा निर्माण कार्य का निरीक्षण एवं निर्माण कार्य की गुणवत्ता की देखरेख करने की जिम्मेदारी है वो अधिकारी ना ही स्थानीय ग्रामीणों और अन्य लोगों का फोन ही उठाना मुनासिब नहीं समझते है?

CMYK

सत्तारूढ़ पार्टी और न्यायपालिका के बीच टकराव,CJP से जुड़े विधेयक पर सरकार व राजनीतिक दलों को नोटिस

इस्लामाबाद, 13अप्रैल2023। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सत्तारूढ़ गठबंधन और न्यायपालिका के बीच बढ़ते टकराव के बीच देश के मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों को कम करने वाले बिल के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई की और संघीय सरकार और राजनीतिक दलों को नोटिस जारी किए। शीर्ष अदालत ने यह कहते हुए सुनवाई अगले सप्ताह तक के लिए स्थगित कर दी कि न्यायाधीशों की उपलब्धता को देखते हुए कार्यवाही की तारीख की घोषणा की जाएगी।

डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता एक महत्वपूर्ण मामला है, लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि संसद के लिए उनके मन में बहुत सम्मान है। शीर्ष अदालत की आठ-न्यायाधीशों की पीठ ने सुप्रीम कोर्ट (अभ्यास और प्रक्रिया) विधेयक, 2023 के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई की। यह विधेयक पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर कार्यवाही शुरू करने और अपने दम पर बेंच गठित करने की शक्तियों को कम करता है।

इस पीठ में मुख्य न्यायाधीश बंदियाल के अलावा न्यायमूर्ति इजाजुल अहसन, न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर, न्यायमूर्ति मजहर अली अकबर नकवी, न्यायमूर्ति मुहम्मद अली मजहर, न्यायमूर्ति आयशा मलिक, न्यायमूर्ति हसन अजहर रिजवी और न्यायमूर्ति शाहिद वहीद शामिल हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने राजनीतिक दलों, संघीय सरकार, पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल (एजीपी) मंसूर अवान, पाकिस्तान बार काउंसिल (पीबीसी), सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ऑफ पाकिस्तान और मामले में अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए।

याचिकाकर्ता के वकील इम्तियाज ने कहा कि दोनों सदनों से मंजूरी मिलने के बाद विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजा गया था, लेकिन राष्ट्रपति ने आपत्ति जताते हुए इसे वापस संसद को भेज दिया। हालांकि, राष्ट्रपति की आपत्तियों की समीक्षा

नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि संयुक्त सत्र द्वारा अनुमोदन के बाद दस दिनों में यह विधेयक कानून बन जाएगा। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 191 के तहत सुप्रीम कोर्ट अपने नियम खुद बनाता है। इम्तियाज ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय संसद द्वारा पारित विधेयक को अमान्य कर सकता है, क्योंकि मुख्य न्यायाधीश के बिना शीर्ष अदालत का अस्तित्व नहीं हो सकता।

संसदीय पैनल ने पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतीय चुनावों के लिए धन की मांग वाले बिल को खारिज किया

पाकिस्तान के संसदीय पैनल ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में चुनावों के लिए धन की मांग करने वाले एक विधेयक को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने चार अप्रैल को संघीय सरकार को पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) को सोमवार तक 21 अरब रुपये मुहैया कराने का आदेश दिया था ताकि वह पंजाब और खैबर-पख्तूनख्वा प्रांतों में चुनाव करा सके।

इसके बजाय, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने चुनाव कराने के लिए ईसीपी को आवश्यक धनराशि जारी करने को अधिकृत करने के लिए सोमवार को संसद में ÷आम चुनाव के लिए शुल्क (पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा की प्रांतीय विधानसभाएं) विधेयक 2023÷ नामक एक विधेयक पेश किया। इस बिल को नेशनल असेंबली स्पीकर द्वारा चर्चा के लिए वित्त और राजस्व के लिए सदन की स्थायी समिति को भेजा गया, जिसे गुरुवार को खारिज कर दिया गया।

डॉन अखबार की खबर के मुताबिक, समिति की बैठक के बाद पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के पैनल अध्यक्ष कैसर अहमद शेख ने विधेयक को खारिज करने की घोषणा की। रिपोर्ट में अहमद शेख के हवाले से कहा गया है कि यह विधेयक हमारे बजट में आवंटित नहीं किया गया था और वित्त मंत्री ने कहा है कि धन उपलब्ध नहीं है, कोई अन्य विकल्प नहीं था इसलिए हमने इसे खारिज कर दिया। बता दें कि पंजाब में 14 मई को चुनाव होने हैं, लेकिन खैबर पख्तूनख्वा के लिए चुनाव की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

पाकिस्तान की चेतावनी-अफगानिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर करेंगे हमला

इस्लामाबाद, 13 अप्रैल, 2023। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगान तालिबान को चेतावनी दी है कि अगर काबुल में शासक पाकिस्तान विरोधी आतंकवादियों पर लगाम लगाने में असमर्थ हैं तो इस्लामाबाद देश के अंदर आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला करेगा। आसिफ ने हाल ही में वीओए के साथ एक साक्षात्कार में अफगानिस्तान की अपनी फरवरी के अंत की यात्रा में तालिबान नेताओं को अपनी सीमा पार सुरक्षा प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरने की याद दिलाई, ताकि आतंकवादियों को पाकिस्तान पर हमले की योजना बनाने और संचालित करने के लिए अफगानिस्तान की धरती का उपयोग करने से रोका जा सके। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो इस्लामाबाद

कार्रवाई करेगा।

उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं किया जाता है, तो किसी बिंदु पर हमें कुछ उपायों का सहारा लेना होगा, जो निश्चित रूप से अफगान धरती पर जहां भी आतंकवादियों के ठिकाने हैं, हमें उन्हें मारना होगा। आगे कहा कि हमें उन्हें मारना होगा क्योंकि हम इस स्थिति को लंबे समय तक बर्दाश्त नहीं कर सकते।

अगस्त 2021 में अफगान तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद से पाकिस्तान ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के नेतृत्व में आतंकवादी हमलों में पुनरुत्थान देखा है, जो अफगान तालिबान का सहयोगी है।

पाकिस्तान का आरोप है कि कुछ साल पहले सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तानी सैन्य अभियानों के बाद टीटीपी नेतृत्व अफगानिस्तान से काम कर रहा है, जिससे उसे हजारों लड़ाकों के साथ भागने पर मजबूर होना पड़ा।

आसिफ ने दावा किया कि तालिबान नेतृत्व ने हालिया चेतावनी का बहुत अच्छा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि अमेरिकी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना से लड़ने के लिए समूह से समर्थन प्राप्त करने के बाद, अफगान तालिबान टीटीपी से अलग होने की कोशिश कर रहा है।

स्वीडन ने पाकिस्तान में बंद किया अपना दूतावास

सुरक्षा कारणों का दिया हवाला

इस्लामाबाद, 13अप्रैल 2023। यूरोपीय देश स्वीडन ने पाकिस्तान में अपने दूतावास को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया है। स्वीडन ने संकटग्रस्त देश की राजधानी में मौजूदा ÷सुरक्षा स्थिति÷ के कारण पाकिस्तान में अपने दूतावास को अनिश्चित काल के लिए बंद करने की घोषणा की है। दूतावास ने खतरे की प्रकृति के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिति खराब होती जा रही है।

पाकिस्तान का सर्वोच्च न्यायालय विभिन्न मामलों के लिए अपनी पसंद के पैनल बनाने के मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एक विधेयक को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई कर रहा है। दूतावास की वेबसाइट पर एक नोटिस में कहा गया है, इस्लामाबाद में मौजूदा सुरक्षा स्थिति के कारण, स्वीडन का दूतावास आगंतुकों के लिए

बंद है। माइग्रेशन सेक्शन फिलहाल किसी भी तरह के अनुरोधों पर कार्यवाही करने में सक्षम नहीं है। इसमें कहा गया है, साथ ही हम अपने वाणिज्य दूत गेरी एस या आपके घर के पते पर कोई दस्तावेज नहीं भेज सकते हैं। हम समझते हैं कि इससे असुविधा होगी। लेकिन, हमारे आवेदकों और कर्मचारियों के सदस्यों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नोटिस में यह भी कहा गया है कि मिशन को फिर से खोलने के संबंध में किसी भी प्रश्न का उत्तर फिलहाल नहीं दिया जा सकता है। कई लोगों का मानना है कि यह निर्णय स्वीडन में कुरान को जलाने की हालिया घटना से जुड़ा हुआ है। स्वीडिश पुलिस की सुरक्षा में 21 जनवरी को स्टॉकहोम में तुर्किये दूतावास के सामने एक डेनिश-स्वीडिश अति-दक्षिणपंथी चरमपंथी ने कुरान की एक प्रति जलाई थी, जिसकी दुनिया भर के मुसलमानों ने निंदा की थी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान सहित पाकिस्तान के कई राजनीतिक नेताओं ने भी इस घटना की निंदा की थी।

स्वीडन के दूतावास के बंद होने से प्रवासी पाकिस्तानी और छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिन छात्रों ने स्वीडन में अगस्त के अंतिम सप्ताह में शुरू होने वाले नए शैक्षणिक सत्र के लिए अपना नामांकन कराया है, वो अपनी फीस का भुगतान नहीं कर पा रहे हैं।

ARY न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामाबाद स्थित दूतावास बंद होने के कारण विदेशों में रहने वाले पाकिस्तानी अपने परिवार वालों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं।राजनयिक सूत्रों ने बताया है कि आमतौर पर स्वीडिश वीजा जारी करने में चार से छह महीने का वक्त लग जाता है।

चीन से मुकाबले के लिए जापान की नई योजना,समान विचारधारा वाले देशों को सैन्य सहायता की करेगा पेशकश

बीजिंग, 13अप्रैल 2023। जापान ने चीन से मुकाबला करने के लिए अपनी नई योजना का खुलासा किया है। जापान ने मुख्य रूप से एशिया में समान विचारधारा वाले देशों को सैन्य सहायता मुहैया करने के लिए एक नई योजना बनाई है। क्योंकि जापान ताइवान और दक्षिण चीन सागर के मुद्दों को लेकर चीन के आक्रामक रुख का मुकाबला करने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार करना चाहता है।

जापान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस महीने की शुरुआत में टोक्यो द्वारा कुछ दिशानिर्देश घोषित किए गए थे। जिनमें आधिकारिक सुरक्षा सहायता मुहैया करके समान विचारधारा वाले देशों की सेनाओं को मजबूत करने के लिए एक नया कार्यक्रम शामिल किया गया है। जापान का यह कदम आपदा राहत को छोड़ कर सैन्य उद्देश्यों के लिए विकास सहायता मुहैया नहीं करने की उसकी पिछली नीति को तोड़ता है।

रिपोर्ट में जापानी विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि फिलीपींस विदेशी सुरक्षा सहायता के पहले लाभार्थियों में से एक होगा। इसमें मलयेशिया, बांग्लादेश और फिजी भी शामिल हैं। जापान चार देशों के समूह 'क्वाड' का सदस्य है। इसके तीन अन्य सदस्य अमेरिका, भारत और आस्ट्रेलिया हैं। जापान सक्रिय रूप से इंडो-पैसिफिक रणनीति का अनुसरण कर रहा है, जिसपर चीन अपना दावा करता है।

हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने गुरुवार को बताया कि सैन्य उद्देश्यों के लिए अंतरराष्ट्रीय सहायता का उपयोग करने का टोक्यो का निर्णय एक आदर्श बदलाव है और इससे एशिया में हथियारों की होड़ नहीं होगी। इस कदम से न केवल बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच एशियाई देशों की रक्षा क्षमताओं का विकास होगा बल्कि जापान के रक्षा क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता को भी बढ़ावा मिलेगा।

जापान के विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी की इस महीने चीन यात्रा के बाद पड़ोसियों को रक्षा सहायता की जापान की नई नीति की घोषणा की गई है। दो अप्रैल को हयाशी के साथ बातचीत में चीनी विदेश मंत्री किन गैंग ने कहा था कि जापान को ÷हानि करने वाले खलनायक की मदद नहीं करनी चाहिए÷, जाहिर तौर पर यह वाशिंगटन के साथ टोक्यो के घनिष्ठ संबंधों का जिक्र था। 2019 के बाद से जापानी विदेश मंत्री की यह पहली चीन यात्रा थी।

जापान द्वारा नियंत्रित निर्जन पूर्वी चीन सागर द्वीपों पर चीन और जापान के बीच लंबे समय से विवाद है, चीन इसपर अपना दावा करता है। इन द्वीपों को जापान द्वारा सेनकाकस के रूप में जाना जाता है, जबकि चीन ने उन्हें दियाओयू नाम दिया है। ताइवान भी इन द्वीपों पर अपना दावा करता है, लेकिन उसने किसी भी टकराव से बचने के लिए जापान के साथ समझौते किए हैं क्योंकि टोक्यो और ताइपे के बीच घनिष्ठ रक्षा संबंध हैं।

जापानी मंत्रालय के बयान के अनुसार, टोक्यो की नई पहल का उद्देश्य जापान के शांतिपूर्ण राष्ट्र के रूप में बुनियादी सिद्धांतों को बनाए रखते हुए जापान के लिए एक वांछनीय सुरक्षा वातावरण के निर्माण में योगदान देना है।

कराची की फैक्ट्री में लगी आग में 4 दमकलकर्मियों की मौत

कराची 13 अप्रैल, 2023। कराची की एक फैक्ट्री में लगी भीषण आग पर काबू पाने की कोशिश में चार दमकलकर्मियों की मौत हो गई। बचाव दल ने गुरुवार को ये जानकारी दी। सायलानी वेलफेयर ट्रस्ट के एक दमकलकर्मी सलमान कुरैशी ने बताया कि शव सुबह बरामद किए गए।

बुधवार सुबह एक बेडशीट फैक्ट्री की बहुमंजिला इमारत में आग लग गई थी और दमकल की एक दर्जन गाड़ियों ने उसे बुझाने का काम किया।

कुरैशी ने कहा, घटनास्थल पर दमकलकर्मी काम कर रहे थे, तभी फैक्ट्री का एक हिस्सा ढह गया, जिसके मलबे में कई लोग फंस गए।

उन्होंने कहा कि 11 दमकलकर्मियों सहित 13 घायल लोगों को भी बचाया गया।

मीडिया से बात करते हुए, कराची के मध्य जिला उपायुक्त ताहा सलीम ने पुष्टि की है कि मलबे के नीचे कोई और नहीं फंसा है और बचाव दलों द्वारा क्षेत्र को साफ कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि गुरुवार की सुबह आग पर काबू पा लिया गया है और कूलिंग का काम चल रहा है।

उन्होंने कहा कि इमारत में आग शार्ट सर्किट के कारण लगी और यह और बढ़ गई क्योंकि भीड़भाड़ वाली सड़कों के कारण दमकलकर्मी बड़े इंजनों को घटनास्थल पर नहीं ले जा सके।

अधिकारी ने कहा कि बड़ी आग के कारण इमारत की संरचना कमजोर हो गई और पानी ने बुझाने की प्रक्रिया के दौरान यह ढह गई।

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के खुफिया दस्तावेज लीक से हंगामा

नई दिल्ली, 13 अप्रैल 2023। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) से लीक गुप्त दस्तावेजों का मामला अमेरिका समेत दुनियाभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इसमें रूस-यूक्रेन युद्ध की तैयारियों से लेकर व्यवस्था तक की बातों का उल्लेख है। पेपर्स में ये भी बताया गया है कि किस तरह से रूस के साथ युद्ध में नाटो सदस्य देश और अमेरिका यूक्रेन की मदद करेगा। कैसे उन्हें हथियारों की आपूर्ति करेगा? इसी बीच, पेंटागन ने इसे सुरक्षा का उल्लंघन करार दिया है।

अमेरिका में क्या हो रहा है?

अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, लीक हुए दस्तावेज चार से पांच हफ्ते पुराने बताए जा रहे हैं। लीक दस्तावेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन दस्तावेजों में यूक्रेन के 12 लड़ाकू ब्रिगेडों के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शामिल थे। इसमें खुलासा किया गया था कि उनमें से नौ को अमेरिका और नाटो बलों द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा था। इसके अलावा 250 टैंकों और 350 से अधिक मशीनीकृत वाहनों की आवश्यकता का भी जिक्र है। लीक दस्तावेज में हिमार्स रॉकेट सिस्टम सहित यूक्रेन सैन्य नियंत्रण के तहत युद्ध सामग्री के लिए व्यय दरों का विवरण भी शामिल है।

लीक दस्तावेजों में हथियारों की डिलीवरी, सेना की ताकत और अन्य जानकारी के चार्ट और विवरण शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जो दस्तावेज लीक हुए हैं, वे सिर्फ रूस और यूक्रेन युद्ध से ही नहीं जुड़े हैं, बल्कि अमेरिका की आंतरिक सुरक्षा और अमेरिका के साथी देशों के बारे में भी अति-संवेदनशील जानकारी वाले हैं।

लीक हुए दस्तावेजों में क्या-क्या है?

एक दस्तावेज के अनुसार, फरवरी तक रूसी सेना के 1,89,500 से 2,23,000 सैनिक हताहत हुए थे। इसमें युद्ध में मारे गए 43,000 सैनिक भी शामिल थे। इस बीच, यूक्रेनी सेना में हताहतों की संख्या 1,24,500 से 1,31,000 है, जिसमें 17,500 सैनिक लड़ाई में मारे गए। हालांकि, सीएनएन की एक रिपोर्ट में दावा किया है कि टेलीग्राम एप पर पेपर लीक होने से पहले रूसी सैनिकों की मौत का आंकड़े में बदलाव किया गया था।

दस्तावेजों से सामने आई अहम जानकारियों से पता चलता है कि आने वाले महीनों में यूक्रेन की वायु रक्षा को गंभीर

चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पेपर्स में दावा किया गया है कि, यदि यूक्रेन वर्तमान खपत दर पर हथियारों का उपयोग जारी रखता है, तो अप्रैल के मध्य तक उसके मिसाइलों का स्टॉक को पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। इसके साथ ही कहा गया है कि एस-300 मिसाइलों का स्टॉक भी 3 मई तक पूरी तरह से खत्म हो जाएगा।

कैसे लीक हुए पेपर?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह दस्तावेज पिछले एक महीने से वायरल हो रहे हैं, हालांकि मीडिया की नजर में यह पिछले हफ्ते ही आए हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया है कि लीक दस्तावेज सबसे पहले डिस्कोर्ड नामक सोशल साइट पर सामने आये थे। यह एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है जो ऑनलाइन गेम के लिए काफी मशहूर है। रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा, %वे वेब में कहीं दिखे थे, और वास्तव में कहां थे, और उस प्वाइंट पर किसकी पहुंच थी, हम नहीं जानते।

अमेरिका ने क्या प्रतिक्रिया दी?

पहले सोशल मीडिया और बाद में मेन स्ट्रीम मीडिया पर सामने आये दस्तावेज पर अमेरिका के उप प्रेस सचिव सबरीना सिंह ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, %हम सोशल मीडिया पोस्ट की रिपोर्टों से अवगत हैं और विभाग मामले की समीक्षा कर रहा है।% लीक दस्तावेजों में हथियारों की डिलीवरी, सेना की ताकत और अन्य जानकारी के चार्ट और विवरण शामिल हैं। हालांकि, यह जानकारी कम से कम पांच सप्ताह पुरानी है।

क्या लीक दस्तावेजों की विश्वसनीयता है?

सार्वजनिक मामलों के उपमंत्री क्रिस मीघर ने यह कहा कि जो तस्वीरें वायरल हो रही हैं, वे कुछ संवेदनशील जानकारी लीक करती दिख रही हैं। पेंटागन की एक टीम इन डॉक्यूमेंट्स की विश्वसनीयता परख रही है। उन्होंने कहा कि जो फोटोज वायरल हुई हैं, उनमें दस्तावेजों को उसी फॉर्मेट में दिखाया गया है, जिसमें हम अपने वरिष्ठ नेताओं को रूस और यूक्रेन से जुड़े अभियानों को लेकर अपडेट देते थे। इसके अलावा हमारे खुफिया अपडेट भी इसी तरह के डॉक्यूमेंट्स में दिए जाते हैं। हालांकि, वायरल तस्वीरों में कुछ छोटे बदलाव भी दिख रहे हैं।

दस्तावेजों की जांच शुरू

पेंटागन ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े लीक पेपर्स के प्रभाव का आकलन करने के लिए आंतरिक समीक्षा शुरू कर दी है। इसका नेतृत्व खुफिया और सुरक्षा के लिए रक्षा उप सचिव मिलेंसी हैरिस करेंगे। समीक्षा लीक के दायरे और पैमाने और अमेरिका और सहयोगियों की राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव की जांच करेगी।

इसका भी पता लगाया जाएगा कि सूचना कैसे फैली है और इसकी पहुंच किस तक है। इसके अलावा, अमेरिकी न्याय विभाग ने भी इस बात की आपराधिक जांच शुरू कर दी है कि पेपर्स कैसे प्राप्त किए गए और लीक कैसे हुए। जानकारी के मुताबिक, जांच का नेतृत्व एफबीआई कर रही है।

CMYK

काउंसलिंग में गड़बड़ी के संदेह पर शिक्षक आपत्ति दर्ज करने संयुक्त संचालक के पास पहुंचे...

संयुक्त संचालक भड़के...शिक्षक को कहा मैं तुमको नहीं छोडूंगा...शिक्षक ने कहा आप मुझे चपरासी बना दीजिएगा

- काउंसलिंग में अनियमितता की शिकायत लेकर संयुक्त संचालक सरगुजा के समक्ष पहुंचे शिक्षकों से संयुक्त संचालक ने की अभद्रता,दी निपटाने की धमकी
- मीडियाकर्मियों के आते ही शांत हुए संयुक्त संचालक शिक्षकों की आपत्ति स्वीकार की
- असंतुष्ट शिक्षकों को राहत नहीं मिलने पर न्यायालय का रुख कर सकते है
- अधिकृत पदोन्नति की सूची जारी नहीं हुई तो फिर कुछ शिक्षकों को कैसे पता चला कि उन्हें कहां पदस्थ किया गया और कैसे सोशल मीडिया पर बधाई आने लगी?
- शिक्षा का दीप जलाने वाले शिक्षकों को लूटने में विभाग की भूमिका आई सामने
- माध्यमिक शाला प्रधानपाठक पदस्थापना में खेला गया करोड़ों का खेल
- काउंसलिंग प्रक्रिया के बावजूद ठगे गए शिक्षक,भ्रष्टाचार का बड़ा खेल।
- एक तरफ कनिष्ठ शिक्षकों की जेब पर डाका दूसरी तरफ वरिष्ठ शिक्षकों के साथ अन्याय
- बड़ी रकम की शिक्षक से वसूली,शिक्षकों ने खुद लगाया काउंसलिंग में भ्रष्टाचार का आरोप
- भ्रष्टाचार के कारण कई शिक्षकों ने पदोन्नति छोड़ी कइयों ने लिए दूसरे जिले और ब्लॉक में पदस्थापना

घटती घटना | कोरिया-सरगुजा-कोरबा-समाचार | अम्बिकापुर, रविवार 19 मार्च 2023 | 5

शिक्षकों के पदोन्नति मामले में चल रहा है पैसों का खेल,लाखों में हो रही पोस्टिंग की सेटिंग:सूत्र

संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग अंबिकापुर के नाम पर हो रही वसूली,वसूली में शिक्षक संघों के नेता शामिल

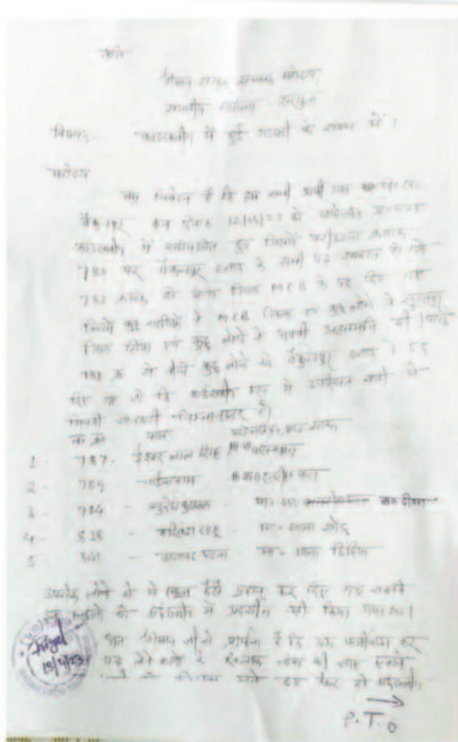
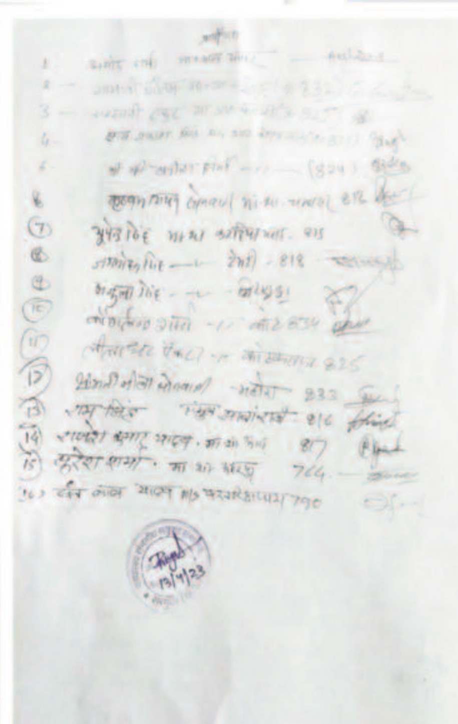

संयुक्त संचालक के पास शिक्षकों की दर्ज कराई आपत्ति

सोशल मीडिया पर बधाई

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर/अंबिकापुर 13 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

पूर्व माध्यमिक शाला में प्रधान पाठक पदोन्नति की प्रक्रिया को लेकर काफी दिनों से गहमागहमी की स्थिति थी पहले अफ़वा आएगी काउंसलिंग से नहीं सेटिंग से पदोन्नति होगी, जिस पर दैनिक घटती-घटना ने बड़ी प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित किया था, जिसके बाद यह तय हुआ कि प्रधान पाठक को की पदोन्नति काउंसलिंग प्रक्रिया के द्वारा होगी, जिसके बाद शिक्षकों ने चैन की सांस ली थी और घटती-घटना को उनके मुद्दों को उठाने पर धन्यवाद भी शिक्षकों के द्वारा दिया गया था, शिक्षक इस कयास में थे कि काउंसलिंग पद्धति से पारदर्शिता के साथ पदोन्नति होगी पर अचानक शिक्षकों को यह आभास हुआ कि काउंसलिंग प्रक्रिया में अनियमितता देखी जा रही है जिसे लेकर वह आपत्ति दर्ज कराने संयुक्त संचालक के पास पहुंचे जहां शिक्षक व अधिकारियों के बीच गहमागहमी हो गई और मामला बिगड़ गया, अधिकारी आपत्ति दर्ज कराने आए शिक्षक पर भड़क गए और कहा कि मैं तुमको नहीं छोड़ूंगा.. जिस पर शिक्षक ने भी कहा ठीक है आप मुझे चपरासी बना दीजिएगा पर गलत बर्दाश्त नहीं करेंगे। फाइनल सूची जारी नहीं हुई और कुछ शिक्षक सोशल मीडिया पर बधाई बांटने लगे, जिस शिक्षकों का एक बहुत बड़ा समूह नाराज हो गया, क्योंकि जो बधाई दे रहे थे और अपनी पदोन्नति का जश्न मना रहे थे यदि उनका नाम सूची में आता उस सूची में गड़बड़ी से इनकार नहीं किया जा सकता था और सवाल यह भी यदि सूची आई नहीं तो फिर शिक्षकों को अपनी पदोन्नति की जानकारी कैसे मिलेगी, इससे स्पष्ट होता है कि कहीं न कहीं गड़बड़ी तो काउंसलिंग में हुई है जिस के संदेह पर शिक्षक और देखे नेताओं और एक बहुत बड़ा शिक्षकों का समूह पहुंच गया आपत्ति दर्ज कराने।

जानकारी के अनुसार प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक शाला पदोन्नति पदस्थापना काउंसलिंग में अनियमितता की सबूत सहित शिकायत करने संयुक्त संचालक सरगुजा के समक्ष पहुंचे शिक्षकों के साथ संयुक्त संचालक ने पहले तो अभद्रता की बाद में उन्होंने शिक्षकों को देख लेने की निपटाने की धमकी भी दी। बड़े ही तमतमाए अंदाज में उन्होंने शिक्षकों को जिस तरह धमकी दी उससे शिक्षक भी भयभीत हुए वहीं मीडियाकर्मियों के आने के बाद संयुक्त संचालक जरा नरम हुए और शिक्षकों को आपत्ति आवेदन पर पावती प्रदान करने की सहमति उन्होंने दी। संयुक्त संचालक कार्यालय की स्थापना शासन ने शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए की है जबकि वर्तमान संयुक्त संचालक शिक्षकों को ही धमकी देते नजर आ रहे हैं। शिक्षकों ने पूरे वार्तालाप का वीडियो भी बनाया है और उसमे स्पष्ट रूप से देखा और सुना जा सकता है की संयुक्त संचालक किस तरह आपत्ति नाम पर बिफर रहें हैं और किस तरह शिक्षकों को धमकी दे रहें हैं।

असंतुष्ट शिक्षकों को राहत नहीं मिलने पर न्यायालय का रुख कर सकते है

पूरे मामले की शिकायत करने के लिए जब शिक्षक समुदाय संयुक्त संचालक कार्यालय पहुंचा तो वहां भी काफी गहमागहमी देखने को मिली। और संयुक्त संचालक का रुख भी नकारात्मक था। परंतु शिक्षक समुदाय द्वारा पत्रकारों को आहूत करने के बाद मामले से संबंधित आवेदन संयुक्त संचालक द्वारा लिया गया। अब आगे देखने वाली बात यह होगी कि मामले की जांच होती है, असंतुष्ट शिक्षकों को राहत मिलता है, या फिर मामला लंबे समय के लिए न्यायालय की ओर लंबित हो जाएगी।

मीडियाकर्मियों के आते ही शांत हुए संयुक्त संचालक शिक्षकों की आपत्ति स्वीकार की

संयुक्त संचालक जो आपत्ति दर्ज करने आए शिक्षकों को धमका रहे थे कार्यालय से भगा रहे थे वह मीडियाकर्मियों के आने के बाद शांत हुए और बाद में उन्होंने शिक्षकों की आपत्ति स्वीकार की और उन्हे आवेदन पर पावती दी। संयुक्त संचालक के व्यवहार की शिक्षकों ने निंदा की और कहा की शिक्षक यदि अधिकारी को सम्मान देते हैं तो अधिकारियों को भी शिक्षकों को सम्मान देना चाहिए और उनकी आपत्ति का निराकरण सहानुभूति पूर्वक करनी चाहिए।

शिक्षकों काउंसलिंग में गड़बड़ी के संदेह

पूर्व माध्यमिक शालाओं में प्रधान पाठक पदोन्नति की प्रक्रिया काउंसलिग के बावजूद भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई जिसकी सुगबुगाहट सुनाई देने लगी और अब भ्रष्टाचार के कारण पदोन्नति प्रक्रिया में प्रभावित हुए शिक्षक आक्रोश में हैं और अपने ही विभाग के अधिकारियों पर वह आरोप लगा रहें हैं और खुद के साथ अन्याय की कहानी बयान कर न्याय की गुहार लगा रहें हैं। पूर्व माध्यमिक शालाओं में शिक्षकों को प्रधान पाठक पद पर पदोन्नति मिलनी थी और पूर्व में यह पदोन्नति और पदस्थापना काउंसलिंग के बगैर की जानी थी जो भ्रष्टाचार की भेंट न चढ़ जाए इसलिए काउंसलिंग की प्रकिया शासन ने तय की। शासन की काउंसलिग प्रकिया को भी विभागीय अधिकारियों ने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया और शिक्षकों से जमकर पदस्थापना के नाम पर वसूली की गई जिसका खुलासा अब होने लगा और अब पदोन्नति में भ्रष्टाचार के कारण पदोन्नति से वंचित और पदोन्नति में दूसरे जिले या ब्लॉक में पदस्थापना प्राप्त किए शिक्षक लामबंद होकर विरोध में नजर आ रहें हैं और वह चुप रहने को तैयार नहीं हैं।

वरिष्ठता सूची में निचले क्रम के शिक्षकों को मिली कैसे मनचाही पदस्थापना?

पदोन्नति में पदस्थापना काउंसलिंग के माध्यम से की जाए इसके लिए स्वयं शिक्षा मंत्री ने विभाग को पत्र लिखा था, जिससे पदस्थापना में भ्रष्टाचार न हो, लेकिन विभाग के अधिकारियों ने इसमें भी भ्रष्टाचार का रास्ता ढूंढ निकाला और उन्होंने वरिष्ठता में निचले क्रम के शिक्षकों को मनचाही पदस्थापना प्रदान करने में उनकी मदद की। वहीं इसके लिए उगाही भी की गई। ऊपर क्रम के वरिष्ठता क्रम में शीर्ष पर आने वाले शिक्षकों को या तो मनचाही पदस्थापना नहीं मिलने पर पदोन्नति से इंकार करना पड़ा या उन्हे अन्य जिले और ब्लॉक में पदस्थापना लेनी पड़ी। कुल मिलाकर जो जिस पद के लिए योग्य व वरिष्ठ था उसे वह पद प्रदान नहीं किया गया और जो निचले क्रम पर थे उन्हे वह पद प्रदान कर दिया गया जो साफ साफ भ्रष्टाचार का मामला है। प्रभावित शिक्षकों के अनुसार वरिष्ठता क्रम अनुसार काउंसलिंग होने पर क्रमांक 780 पहुंचने पर कोरिया जिला के बैकुंठपुर ब्लॉक के सभी पद भरे हुए दर्शाए गए। वरिष्ठता क्रम में बाद में आने वाले शिक्षकों को अन्य ब्लॉक या जिले में पदस्थापना लेनी पड़ी। परंतु शाम होते-होते जब सोशल मीडिया में बधाईयों का दौर चला तब पता चला कि जो शिक्षक काउंसलिंग प्रक्रिया के दरमियान अनुपस्थित थे और बार-बार नाम पुकारने पर भी उपस्थित नहीं हुए और जिन की वरिष्ठता क्रमांक निचले क्रम में थी, उन्हें बैकुंठपुर ब्लॉक में सुविधानुसार पदस्थापना दे दी गई। इसमें वरिष्ठता क्रमांक 787 ईश्वर लाल सिंह, 789 चाइना राम, 784 सुरेश कुशवाहा, 838 हरिवंश साहू, 841 सतानंद पटवा यह सभी काउंसलिंग प्रक्रिया के दरमियान अनुपस्थित थे। परंतु सेटिंग के अनुसार इन्हें बैकुंठपुर ब्लॉक में क्रमशः बासनपारा, बरतरिहापारा, बरदिया, खोंड और छिंदिया में पदस्थापना दी गई। जबकि वरिष्ठता क्रम में इनसे ऊपर क्रम में बैकुंठपुर ब्लॉक से अशोक शर्मा, गायत्री गौतम, सरस्वती ठाकुर, भूपेंद्र सिंह, जगमोहन सिंह, अंजुला सिंह, कौशलेंद्र शर्मा, राम नारायण कुशवाहा, राम सिंह, राजेश कुमार यादव, सुरेश शर्मा, संत लाल यादव लीलाधर पैकरा जैसे अनेकों शिक्षक थे, जिन्हें बैकुंठपुर ब्लॉक में पदस्थापना के लिए चयन का विकल्प ही नहीं दिया गया। यह सूची उनकी है जिन के मामले सामने आ चुके हैं। चुंकि पदोन्नति की प्रक्रिया पूरे संभाग के लिए थी, अतः ऐसा खेल कितनों के लिए खेला गया होगा यह समझना सामान्य बात है।

पदस्थापना आदेश जारी हुए बिना पदस्थापना विद्यालय का नाम लिखकर वाट्सएप में दे दी है बधाई,इसी से उजागर हुआ अनियमितता का खेल

पदस्थापना काउंसलिग में अनियमितता की बात शायद उजागर नहीं होती,अनियमितता की बात स्वयं उन शिक्षकों ने उजागर कर दी जिन्होंने अनियमितता स्वीकार कर पदस्थापना काउंसलिग में मनचाही पदस्थापना प्राप्त करने का प्रयास किया। कुछ शिक्षक जो काउंसलिंग के समय कक्ष में अन्य शिक्षकों के साथ उपस्थित नहीं थे और जब काउंसलिंग समाप्त हो गई उन्होंने अपनी पदस्थापना कहां कहां होनी है इसको लेकर वॉट्सएप में बधाई संदेश डाल दिया और तब जाकर अन्य को पता चल सका की काउंसलिंग में अनियमितता हुई है और तब शिक्षक जो वरिष्ठता सूची में ऊपर क्रम पर थे और जिन्हे वह पद नहीं दिखाए गए जिनका जिक्र निचले क्रम वाले शिक्षकों ने वाट्सएप में बधाई लिखकर डाला की जानकारी हो सकी और वह आपत्ति दर्ज करने संयुक्त संचालक के पास जा पहुंचे। जिन पदों को लेकर आपत्ति आई है जिसे हाइड कर बाद में निचले क्रम के शिक्षकों को पदस्थापना देने की कोशिश की गई उसमे माध्यमिक शाला गिरजापुर, खोंड़, बरदिया, छिन्दीया, भांडी, बासनपारा,उरूमदुगा,सहित कई अन्य बैकुंठपुर विकासखंड के विद्यालय शामिल हैं।

निचले क्रम के शिक्षकों को मिली मनचाही पदस्थापना,ऊपर क्रम के शिक्षकों को नहीं मिली जिले और विकासखंड में पदस्थापना

पदोन्नति में पदस्थापना काउंसलिंग के माध्यम से की जाए इसके लिए स्वयं शिक्षा मंत्री ने विभाग को पत्र लिखा था जिससे पदस्थापना में भ्रष्टाचार न हो लेकिन विभाग के अधिकारियों ने इसमें भी भ्रष्टाचार का रास्ता ढूंढ निकाला और उन्होंने वरिष्ठता में निचले क्रम के शिक्षकों को मनचाही पदस्थापना प्रदान करने में उनकी मदद की वहीं इसके लिए उगाही भी की गई। ऊपर क्रम के वरिष्ठता क्रम में शीर्ष पर आने वाले शिक्षकों को या तो मनचाही पदस्थापना नहीं मिलने पर पदोन्नति से इंकार करना पड़ा या उन्हे अन्य जिले और ब्लॉक में पदस्थापना लेनी पड़ी। कुल मिलाकर जो जिस पद के लिए योग्य व वरिष्ठ था उसे वह पद प्रदान नहीं किया गया और जो निचले क्रम पर थे उन्हे वह पद प्रदान कर दिया गया जो साफ साफ भ्रष्टाचार का मामला है।

विद्यालयों के नाम वरिष्ठ शिक्षकों की काउंसलिंग के समय छिपाए गए

वरिष्ठता क्रम में ऊपर आने वाले शिक्षकों ने आरोप लगाया की काउंसलिंग के लिए उन्हे पूरे पद नहीं दिखाए गए और अधिकांश पदों को उजागर ही नहीं किया गया जबकि वही पद निचले क्रम के लोगों को मिल सके और उन्हे मनचाही पदस्थापना मिल सकी जो सीधा सीधा भ्रष्टाचार का मामला है। शिक्षकों ने आरोप लगाया की वरिष्ठता सूची में उनका नाम ऊपर था और उन्होंने पैसा नहीं दिया इसलिए उन्हे पूरे पद पदस्थापना के लिए चुनने के लिए नहीं दिखाए गए और जिन्होंने पैसा दिया उन्हे बाद में वही पद दे दिए गए जबकि वह कनिष्ठ थे वरिष्ठता सूची में। वरिष्ठ शिक्षकों का यह भी आरोप है की काउंसलिंग के पहले और काउंसलिंग के समय जो पद उन्हे दिखाए गए और दीवार में जो चस्पा किए गए उनमें अधिकांश रिक्त पद उन्हे नहीं दिखाए गए और शाम होते ही वह पद कनिष्ठ शिक्षकों से भर दिए गए जो की गलत है।

शिक्षामंत्री के जिले में खेला गया पैसों का खेल,जिसे शिक्षा मंत्री रोकना चाहते थे आखिर वही हुआ

शिक्षामंत्री के जिले में शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने जमकर खेला पैसों का खेल,जिस खेल को रोकने के लिए स्वयं शिक्षामंत्री ने विभाग विभाग को पत्र लिखा था और काउंसलिग की मांग की थी और विभाग ने भी काउंसलिंग की प्रकिया अपनाने आदेश दिया था उसी काउंसलिंग में विभागीय अधिकारियों ने भ्रष्टाचार का रास्ता ढूंढ निकाला और शिक्षकों को लूटने कोई कसर नहीं छोड़ी। अब शिक्षामंत्री की मंशा भले ही भ्रष्टाचार रोकने की रही हो लेकिन अधिकारियों ने उनकी मंशा पर भी पानी फेर दिया और भ्रष्टाचार को अंजाम दे दिया।

दिव्यांग,गंभीर बीमार बताकर दिया गया कनिष्ठ को लाभ,इसी आधार पर हुआ भ्रष्टाचार

जिन शिक्षकों ने भ्रष्टाचार के रास्ते पदस्थापना चाही उन्हे दिव्यांग और गंभीर रूप से बीमार होने का प्रमाण पत्र स्वयं विभागीय अधिकारियों ने बांट दिया और उन्हे रास्ता बता दिया कि कैसे वह दिव्यांग बनकर गंभीर रूप से बीमार बनकर लाभ ले सकते हैं। कनिष्ठ शिक्षकों ने भी पैसा देकर पद लेना उचित समझा और ठीक ठाक होकर भी दिव्यांग या गंभीर बीमारी का बहाना बनाया और मनचाही पदस्थापना लेने में दिमाग लगाया।

दिव्यांगता और गंभीर बीमारी के प्रमाण-पत्रों की हो यदि जांच खुलेगा बड़े भ्रष्टाचार का पोल

गंभीर बीमारी और दिव्यांगता प्रमाण पत्रों की यदि जांच की जायेगी तो यह पूरा भ्रष्टाचार उजागर हो सकेगा और पता चल सकेगा का कैसे एक बड़े भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया है। अक्रोशित और काउंसलिंग प्रक्रिया से असंतुष्ट शिक्षकों ने आरोप सभी प्रमाण पत्रों के जांच की मांग भी की है और भ्रष्टाचार उजागर हो इसकी मांग की है।

करोड़ों का खेला गया तीन दिनों में खेल

सूत्रों की माने तो 1 लाख से डेढ़ लाख तक एक एक कनिष्ठ शिक्षक से वसूली की गई और यह पूरी वसूली वरिष्ठता सूची में कनिष्ठ शिक्षकों से की गई जिन्हे काउंसलिंग में बाद में बुलाकर मनचाही पोस्टिंग दे दी गई और जो वरिष्ठ थे वह ठगे देखते रह गए। वरिष्ठ शिक्षकों का यह भी कहना है की उन्हे पता होता की काउंसलिंग में पैसे के बिना पोस्टिंग मिलना मुस्किल है तो वह भी अधिकारियों से संपर्क किए होते और लाभ प्राप्त किए होते,उन्हे इसका आभास बाद में हो सका। पूरे काउंसलिंग के दौरान 3 से 4 करोड़ की वसूली हुई है यह शिक्षकों का आरोप है।

शिक्षा का दीप जलाने वाले शिक्षकों को भी नहीं छोड़ा विभागीय अधिकारियों ने,वसूले करोड़ों

सूत्रों की माने तो शिक्षा का दीप जलाने वाले शिक्षकों को भी विभागीय अधिकारियों ने नहीं छोड़ा और उन्ही से करोड़ों कमाने का रास्ता भ्रष्टाचार के सहारे ढूंढ निकाला। अब इस भ्रष्टाचार के बाद समझा जा सकता है की विभागीय अधिकारी किस तरह मौका मिलते ही शिक्षकों को लूटने का अवसर नहीं छोड़ सके और करोड़ों की उगाही उन्होंने कर डाली,। करोड़ों की शिक्षकों से वसूली के बाद एक बात और तय है की अब अधिकारी किस मुंह से शिक्षकों से गुणवत्ता की बात करेंगे और किस मुंह से उनपर कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही अनियमितता करने पर करेंगे। कुल मिलाकर अब शिक्षक भी उन्हे पैसों की भाषा में बात करेंगे और पैसों से ही उनका मुंह बंद कर देंगे।

बचरा पोंड़ी क्षेत्र के 35 पंचायत के सरपंच अपनी वित्तीय परेशानी लेकर पहुंचे जिला पंचायत उपाध्यक्ष के पास

जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरपंचों के साथ स्वयं जाकर कलेक्टर व जिला पंचायत सीईओ को उनकी परेशानियों से कराया अवगत

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 13 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के बचरा पौड़ी क्षेत्र के 35 पंचायत के सरपंच जिला पंचायत कार्यालय पहुंचकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी से मुलाकात की और उन्हें बताया कि 15 में वित्त का पैसा दिसंबर के बाद से भुगतान नहीं हुआ है जिस वजह से पंचायत के कार्यों में दिक्कत आ रही है कार्य होने के बाद भी पैसा नहीं मिल रहा है, जिस वजह से हम काफी परेशान हैं साथ ही सोसाइटी में चावल की समस्याओं को लेकर भी समस्या बनी हुई है जिस पर जिला पंचायत वेदांती तिवारी स्वयं उनकी मांगों को लेकर उनके साथ कलेक्टर कोरिया व जिला पंचायत सीईओ के पास पहुंचे ज्ञापन सौंपा और उनकी समस्याओं से अवगत कराया, जिस पर कलेक्टर ने अनुशासन दिया है कि समस्याएं समाप्त होंगी और जल्द होगी, सरपंच व ग्रामीणों के अनुसार जो ज्ञापन सौंपा गया है उसमें बचरा पौड़ी क्षेत्र में लो वोल्टेज की समस्या है साथी उप तहसील क्षेत्र अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकान में 2017-18 से 2021-22 में राशन का वितरण ऑनलाइनव ऑफलाइन के तहत किया गया था उक्त अवधि में ऑफलाइन में वितरण का रिकॉर्ड ऑनलाइन में मिलना नहीं हो पा रहा है ऑफलाइन एवं ग्राम पंचायत में कभी नेटवर्क व कभी लाइट का समस्या होने के कारण ग्रामीणों के समस्या हो रही है जिला खाद्य अधिकारी के द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था जिसका भी अभी तक कोई जवाब नहीं आया।

सामाजिक और आर्थिक सर्वे पूरे जोरशोर से,प्रगणक पहुंच रहे है घर घर

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर, 13 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

1 अप्रैल से राज्य सरकार के निर्देश पर पूरे राज्य में सामाजिक और आर्थिक गणना किया जा रहा है जिसके तहत ग्राम वाइस टीम बनाकर सामाजिक और आर्थिक प्रगणक घर घर दस्तक देकर सर्वे कार्य कर रहे है,जिसके तहत जमीन से लेकर वार्षिक आय तक की जानकारी प्रगणक अधिकारियों के द्वारा ली जा रही है। जिसमें राशन कार्ड के हिसाब से प्रत्येक सदस्यों का आधार नंबर,घर में कमरों की संख्या, पक्का कच्चा मकान की जानकारी, टॉयलेट, जमीन का रकबा, धान विक्रय से आय, अन्य आय, आवास की साइज, गाड़ी जैसे कार,बाइक,टैक्टर और अन्य जानकारी पूछ कर सामाजिक आर्थिक एप्स पर अपलोड कर रहे है जिसके बाद टीम के द्वारा हर जानकारी की फोटोग्राफी और निर्धारित फॉर्मेट में जानकारी भर कर घर मुखिया के साथ साथ सभी का हस्ताक्षर कराया जा रहा है। प्रगणक टीम ग्राम पंचायत डकईपारा से जानकारी मिला की यह कार्यक्रम 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा,एक घर में जानकारी उपलब्ध होने के बाद पूरा फिलफ करने में लगभग 10 से 15 मिनट का समय लगता है। और घर के बाहर नंबरिंग भी करना रहता है। आज सर्वे कार्य कर रही ग्राम पंचायत डकईपारा बैकुंठपुर में प्रगणक टीम के अधिकारी स्वास्थ विभाग से दीपक पाण्डेय,महिला बाल विकास विभाग से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सावित्री सोनवानी , और इस टीम की सुपरवाइजर कृषि विभाग से रीता लकड़ा उपस्थित रही।

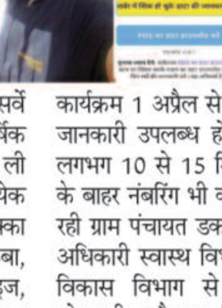
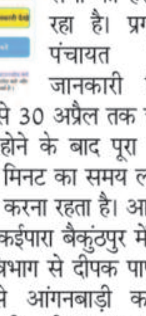

कोरिया में एक नेता रील वाले नेता के नाम से प्रसिद्ध

- » शिवपुर चरचा नगरपालिका क्षेत्र में दिख रहा अध्यक्ष पति का हस्तक्षेप
- » सिर्फ पोस्टर में नजर आ रहीं अध्यक्ष लालमुनी यादव
- » बैठक से लेकर निर्माण कार्य व साफ-सफाई के लिए अध्यक्ष पति सक्रिय
- » सोशल मीडिया मे भी दिखाई दे रही सक्रियता
- » रील के माध्यम से अपनी नेतागिरी चमकाने के साथ-साथ रील के माध्यम से विकास भी बता रहे
- » नेताजी की रील बनाने में हो गए है पूरी तरह मसगुल

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 13 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

एसईसीएल कर्मचारी व कांग्रेस के युवा नेता इस समय रील को लेकर काफी सुर्खियों में रहते हैं इन्हें रील वाला नेता जी भी जिले में लोग कहने लगे हैं यही वजह है कि रील वाले नेता जी के नाम से यह प्रसिद्ध हो गए है नेताजी, हर दिन 3 से 4 रील बनाकर सोशल मीडिया में पोस्ट करते हैं और बताते हैं कि उनसे दमदार नेता कोई नहीं विकास पुरुष है वो, इनके रील बनाने व नेतागिरी चमकाने को लेकर आलोचनाएं भी जमकर होने लगी है।

कोरिया जिले में विभाजन के बाद अब मात्र 2 नगरीय निकाय शेष है, बैकुंठपुर नगरीय निकाय में अध्यक्ष भाजपा समर्थित हैं तो वहीं शिवपुर चरचा नगरीय निकाय में कांग्रेस समर्थित अध्यक्ष। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है और क्षेत्रीय विधायक भी कांग्रेस समर्थित इसलिए शिवपुर नगरीय निकाय में इन दिनों अध्यक्ष लालमुनी यादव सिर्फ पोस्टर में सीमित हैं जबकि उनके कालरी कर्मी पति नगर पालिका के हर काम में हस्तक्षेप करते हुए दिखलाई दे रहे हैं, पति अपनी पत्नी अध्यक्ष के बदले सुबह से साफ-सफाई से लेकर हर निर्माण कार्य में उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं,बतलाया जाता है कि क्षेत्रीय विधायक का खास होने के कारण अध्यक्ष पति का हस्तक्षेप कुछ ज्यादा ही बढ गया है। सोशल मीडिया में उनकी सक्रियता भी साउथ फिल्म के मुख्य किरदार की तरह देखने को मिल रही है,बैकुंठपुर स्थित रामानुज पैलेस से भी वे बकायदा रील बनाते नजर आते हैं।

नगरपालिका में बढ़ा अध्यक्ष पति का हस्तक्षेप

शिवपुर चरचा नगरपालिका में अध्यक्ष पद पर कांग्रेस समर्थित लालमुनी यादव काबिज हैं,उनके पति भूपेन्द्र यादव कांग्रेस के इकाई अध्यक्ष हैं और कालरी कर्मी भी है। बतलाया जाता है कि नगरपालिका अध्यक्ष लालमुनी यादव सिर्फ कागज पर एक नाम है बाकि का सारा काम उनके पति भूपेंद्र यादव देखते हैं। प्रति दिन अध्यक्ष भले ही निकाय कार्यालय न जायें लेकिन उनके पति रोज निकाय कार्यालय जाते हैं। कार्यालय का संचालन भी उनके हिसाब से हो रहा है। निर्माण कार्यो से लेकर हर छोटी-बड़ी खरीदी को कैसे मैनेज करना है वह सिर्फ और सिर्फ अध्यक्ष पति के ईशारे पर हो रहा है। निर्माण कार्य कहां होना है कहां नही,वह काम कौन करेगा यह सिर्फ और सिर्फ अध्यक्ष पति के ईशारे पर हो रहा है।

निर्माण कार्य की देखरेख भी करते हैं अध्यक्ष पति

चरचा नगरपालिका क्षेत्र में जितने भी निर्माण कार्य चल रहे हैं वह सिर्फ अध्यक्ष पति के दिशा निर्देशन पर संचालित होते हैं निकाय के अधिकारी उनके आगे नतमस्तक दिखलाई देते हैं,आलम यह है कि अध्यक्ष पति बकायदा निर्माण कार्यो का निरीक्षण करते रहते हैं,कभी कभार ही अध्यक्ष लालमुनी यादव को फिल्ड में देखा जाता है। बाकि सड़क,नाली,छठ घाट आदि सभी निर्माण कार्यो में उनके पति सक्रिय नजर आ रहे हैं। काम किया है काम करेंगे के स्लोगन के साथ अध्यक्ष पति अपनी राजनैतिक रोटी सेकने मे मशगूल हैं। अध्यक्ष पति को सोशल मीडिया का भी जबरजस्त नशा है।

गुटबाजी को भी मिला बल

शिवपुर चरचा नगरीय निकाय क्षेत्र में कांग्रेस में लड़ाई भी खुलकर सामने दिखलाई देती है,वहां एक गुट पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अजीत लकड़ा का है जबकि दूसरा गुट वर्तमान अध्यक्ष पति भूपेंद्र यादव का है। क्षेत्रीय विधायक अंबिका सिंहदेव का खास होने के कारण भूपेंद्र यादव को चरचा कांग्रेस इकाई का अध्यक्ष बनाया गया है,इसलिए वहां पर वे सर्वेसर्वा बनकर दूसरे गुट को नीचा दिखलाने में कोई कमी नही कर रहे हैं। दूसरा गुट श्री यादव एवं क्षेत्रीय विधायक से काफी असंतुष्ट है। निकाय क्षेत्र में भूपेंद्र यादव समर्थक पार्षदों की संख्या भी ज्यादा है इसलिए वे अन्य गुट के पार्षद को भी महत्व नही देते। दूसरे गुट को हासिए पर रखने के कारण यहां पार्टी कार्यकर्ताओं में भी आपसी खीचतान देखा जाता है।

रामानुज पैलेस बना रील बनाने का केन्द्र

अध्यक्ष पति भूपेंद्र यादव कालरी कर्मी तो हैं ही और वे क्षेत्रीय विधायक के भी अति खास हैं,इसलिए विधायक के निवास रामानुज पैलेस में आए दिन उनका आना जाना लगा रहता है पिछले दिनों श्री यादव अपने समर्थको के साथ पैलेस पहुंचे थे जहां उन्होने साउथ फिल्म के कलाकार की तरह रील बनाकर खुद को बड़ा नेता बतलाने की कोशिश की थी,खुद आगे और बाकी समर्थक पीछे चल रहे थे और यह रील बनाकर सोशल मीडिया में डाला गया था। अध्यक्ष पति का रामानुज पैलेस में बना रील चर्चा का केन्द्र बना हुआ था,लोगो का कहना है कि इस प्रकार का रील तो कभी क्षेत्रीय विधायक का भी नही देखा गया लेकिन उनके खास समर्थक का रील काफी चर्चित हुआ। अध्यक्ष लिखे हुए ब्लैक कार में भी वे बेफिक्र होकर घुमते हैं जो कि निमय का भी उल्लंघन है लेकिन उन पर कार्यवाही करने की हिम्मत भी किसी में नही है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि अध्यक्ष पति क्षेत्रीय विधायक का खास होने के साथ ही प्रदेश में सत्तारूढ दल के सदस्य हैं इसलिए चरचा नगरीय निकाय में पत्नी को अध्यक्ष सिर्फ नाम का बनाकर सभी कार्यो में खुद का हस्तक्षेप करते हैं उन पर किसी का रोक नही है।

छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने ड्राइवर पर हमला करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की

- संवाददाता -
कोरबा,13 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

एसईसीएल कुसमुंडा खदान में नियोजित नीलकंठ ठेका कंपनी के ड्राइवर गिरधारी पर किए गए प्राणघातक हमले के मामले में पुलिस ने पार्षद व एमआईसी सदस्य अमरजीत सिंह सहित मुंशी अशोक व बंशी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। जिसके खिलाफ कल कांग्रेसियों ने कलेक्टर, एसपी को ज्ञापन सौंपते हुए कार्रवाई को दुर्भावनापूर्ण बताया था। वहीं अब इस मामले में आरोपियों पर कार्यवाही की मांग को लेकर छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को उन्होंने कलेक्टर और एसपी के नाम आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर ज्ञापन सौंपा है। सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि नीलकंठ कंपनी के ट्रक ड्राइवर गिरधारी लाल नामदेव कोयला खदान के अन्दर एसईसीएल द्वारा निर्धारित तय जगह पर कोयला गिराने जा रहा था तभी वहां कोयला एजेंट बंशी और अशोक ने मनचाहे स्थान पर कोयला गिराने को कहा। ड्राइवर गिरधारी ने उन्हें मना कर दिया। तब बंशी और अशोक द्वारा विवाद करते हुए 15-20 अन्य साथियों के साथ मिलकर लोहे की रॉड, पाइप, हाथ-मुक्के, लात समेत लाठी-डंडे से उसे मारने लगे। आरोपी उसे मृत समझ कर छोड़ के भाग गये। ज्ञापन में कहा गया है कि एजेंट बंशी और अशोक कोल ट्रांसपोर्टर व पार्षद अमरजीत सिंह के एजेंट है। अमरजीत सिंह के कहने पर कोल ट्रांसपोर्टिंग के अलावा अन्य आपराधिक गतिविधियां करते रहते हैं। जिससे कुसमुंडा खदान में अमरजीत सिंह व उनके लोगों का दबाव सदा आसपास के क्षेत्रों में बना रहे। आरोपी पार्षद अमरजीत सिंह के विरुद्ध वर्ष 2009 से लेकर 2020 तक कुल 9 अपराध दर्ज है, जिसमें मारपीट, हत्या का प्रयास, अवैध हथियार रखना, बलवा, शासकीय काम में बाधा डालने जैसे गंभीर अपराध शामिल है। आरोपी बंशी के विरुद्ध कुछ माह पहले कुसमुंडा खदान परिसर में लोडर ऑपरेटर से मारपीट व आतंक फैलाने के मामले में कुसमुंडा थाना द्वारा कार्यवाही किया गया था। ज्ञापन सौंपने वालों का कहना है कि एसईसीएल खदान में सुरक्षा की सम्पूर्ण जबाबदारी प्रबंधन की होती है । इस तरह परिसर में घुसकर जानलेवा हमला करना किसी के संरक्षण के बगैर संभव नहीं । अगर समय रहते इस पर कठोर कार्रवाई नही होती तो निश्चित ही भविष्य में इसका भयानक परिणाम वहां के ड्राइवर व अन्य कर्मचारियों को भुगतना पड़ेगा। जिसके लिए सीधे तौर पर अमरजीत सिंह व उनके गुंडे की जिम्मेदारी होंगे। उन्होंने मांग की है कि घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपी अमरजीत, बंशी व अशोक को तत्काल गिरफ्तार किया जाए।

दोस्त के घर में मिली आरक्षक की लाश,सिविल लाइन पुलिस जांच में जुटी

- संवाददाता -
कोरबा,13 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

कोरबा जिले में उस समय सनसनी फ़ैल गई जब दोस्त के घर गए पुलिस आरक्षक की सुबह लाश मिली । इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया । इस घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस विभाग की टीम पहुंची है और घटना के मामले में गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। आपको बता दें कि जिला व सत्र न्यायालय में पदस्थ कोर्ट मोहर्रिर क्रांति सिंह की लाश पथर्रीपारा स्थित उसके ही साथी के घर पर संदिग्ध परिस्थितियों में पाई गई। बताया जा रहा है कि मृत आरक्षक बीती रात अपने साथी के घर पर सोने गया था जिसके बाद सुबह-सुबह उसकी लाश मिली। घटना की जानकारी मिलते ही सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। फिलहाल मकान को सील किया गया है और पुलिस द्वारा परिजनों को खबर देने के साथ मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है जिससे मौत के कारण का पता चल सके।

कुशल वक्ताओं को मौका देने के उद्देश्य से युवा कांग्रेस ने यंग इंडिया बोल सीजन 03 का पोस्टर किया लॉन्च

- संवाददाता -
कोरबा,13 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

युवा कांग्रेस ने देश भर के जिलों में अपने प्रवक्ता तलाशने का दौर जारी रखा है।दौर को जारी रखते हुए कोरबा में युवा कांग्रेस नेताओं ने यंग इंडिया के बोल सीजन 03 का पोस्टर किया लांच । जिले के तिलक भवन में यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी द्वारा पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी देते हुए संभाग प्रभारी गौरव दुबे ने बताया कि युवा कांग्रेस इसके जरिये हर जिले में प्रवक्ता की नियुक्ति कर रही है। यह अभियान 2019 से चलाया जा रहा है। इसके तहत अच्छे बोलने वाले एवं राजनीति का समझ रखने वाले युवाओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया जा रहा है। जिसकी अंतिम तिथि 25 अप्रैल 2023 है। इसका उद्देश्य युवाओं की आवाज को एक राजनीतिक मंच प्रदान करना है। यंग इंडिया बोल कार्यक्रम के बिलासपुर संभाग प्रभारी गौरव दुबे ने बताया कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी का मानना है कि पार्टी में अच्छा बोलने वाले और सक्रिय युवा देश की सेवा भावना से कांग्रेस में शामिल हो । इसी उद्देश्य को लेकर यह अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इसमें आवेदन करने वाले युवाओं का जिले स्तर में साक्षात्कार लिया जाता है। इसमें 18 से 35 वर्ष के युवा आवेदन कर सकते हैं।तिलक भवन मे जिला स्तर पर आवेदन लेने के उद्देश्य से सीजन 3 के पोस्टर लॉन्च किया गया। इस पोस्टर को जिले भर में चस्पा किया जाएगा जिससे ज़्यादा से ज्यादा युवा इसमें हिस्सा ले सके। जिला प्रभारी नीरज घोरे ने कहा कि हम इस अभियान के माध्यम से अपने जिले से योग्य युवाओं को प्रदेश स्तर व राष्ट्रीय स्तर तक भेजने का प्रयास करेंगे, जिससे हमारे जिले की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर हो सके ।राष्ट्रीय स्तर पर दो प्रदेश के प्रवक्ता छतीसगढ से है वही प्रदेश में 17 प्रवक्ता हैं प्रेस वार्ता में यूथ जिला ग्रामीण अध्यक्ष विकास सिंह ने कहा कि यंग इंडिया बोल सीजन 03 का मुख्य उद्देश्य युवाओं को अपनी बातें कहने के लिए प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर मंच देना क्योंकि वर्ष 2014 के बाद देश में म्यूट इंडिया का दौर चल रहा है इसलिए युवाओं के लिए ऐसे अवसर प्रदान करने से निश्चित ही अच्छे वक्ताओं को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा एवं युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी बातों को रखने का मौका मिलेगा हमारी कोशिश रहेगी कि कोरबा से ज्यादा से ज्यादा संख्या में युवा इस कार्यक्रम में शामिल हो।इस अवसर पर यंग इंडिया बोल के संभाग प्रभारी गौरव दुबे प्रदेश प्रवक्ता आशीष चौबे, जिला प्रभारी नीरज घोरे, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष ग्रामीण विकास सिंह, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष शहर राकेश पंकज, प्रदेश महासचिव सज्जाद आलम, जिला महासचिव आशीष गुप्ता ,विवेक श्रीवास, हिमांशु सिंह आदि उपस्थित थे।

शासकीय राशि के दुरुपयोग के मामले में सरपंच व सचिव पाए गये दोषी

लोकपाल ने 25-25 हजार रुपये राज्य रोजगार गारंटी कोष में जमा करने हेतु किया निर्णय पारित

- रवि सिंह-
बैकुंठपुर,13 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना में शासकीय राशि दुरुपयोग के मामले में जांच करते हुए लोकपाल ने सरपंच व सचिव पर 1-1 हजार अर्थदंड व 25-25 हजार रुपये क्षतिपूर्ति राशि के तौर पर राज्य रोजगार गारंटी कोष में 60 दिवस के भीतर जमा करने का निर्णय पारित किया है।

गौरतलब है कि जनपद पंचायत सोनहत के ग्राम पंचायत सरगवां में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत भूमि समतलीकरण के कार्य मे भ्रष्टाचार की शिकायत ग्राम कर्री निवासी सुनील कुमार के द्वारा लोकपाल से की गई थी, तथा लोकपाल ने 12 मार्च 2019 को सरपंच सरगवां सुखराज सोनपाकर, सचिव प्रवीण कुमार पांडेय, रोजगार सहायक अनामिका सिह के विरुद्ध प्रकरण दर्ज करते हुए उक्त शिकायत की जांच की गई थी। जांच में लोकपाल ने पाया कि ग्राम कर्री निवासी सोनकुंवर पिता देवलाल के नाम पर गांव में भूमि ही नही है लेकिन सोनकुंवर के नाम से दूसरे की भूमि पर 1 लाख 27 हजार की लागत से भूमि समतलीकरण का कार्य कर शासकीय राशि का दुरुपयोग किया गया है। जिसके बाद लोकपाल के द्वारा सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक को नोटिस जारी करते हुए जवाब प्रस्तुत करने हेतु तलब किया गया था। इसके साथ ही जांच के दौरान लोकपाल ने राजस्व अभिलेखों का अवलोकन किया और पाया कि कर्री में पटवारी हल्का नम्बर 08 में भूमि खसरा 123, 124/1 रकबा क्रमशः 1.73, 1.24 हेक्टेयर भूमि दिलबसिया पति देवलाल के नामपर दर्ज है, तथा सोनकुंवर के नाम पर राजस्व अभिलेखों में जमीन नही होना पाया गया, जिसके बाद लोकपाल ने रोजगार सहायक को दोष मुक्त करते हुए शासकीय राशि के दुरुपयोग के मामले में सरपंच व सचिव के विरुद्ध निर्णय पारित किया है।

स्वास्थ्य विभाग के नाक के नीचे झोलाछाप डॉक्टरों का चल रहा कारोबार ग्रामीणों की जान को खतरा

- राजेन्द्र शर्मा -
खड़गवां,13 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

विकासखंड खडगवा पोंड़ी कोड़ा के दूरस्थ इलाकों मे झोलाछाप डॉक्टर के द्वारा अवैध क्लीनिक भी खोल कर गांव की भोली-भाली जनता का इलाज कर ग्रामीणो की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। क्षेत्र में गलत इलाज के कई मामले सामने आये हैं।

स्वास्थ्य विभाग के नाक के नीचे चल रहे झोलाछाप डॉक्टरों का अवैध धंधा ग्रामीणों की जान का दुश्मन बन कर मरीजों की जान से खेल रहा है। जानकारी के अनुसार प्रशासन के द्वारा कुछ समय पहले एक बार पोंड़ी क्षेत्र में दवाइयों दुकानो की जाच कर अपने कार्य की खानापूर्ति कर ली गई थी।

विकासखंड खड़गवां के पोंड़ी में लंबे समय से झोलाछाप डाक्टर निजी क्लीनिक खोलकर मरीजों की जान से खिलवाड़ कर इलाज कर रहे हैं। ऐसा नहीं है इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को नहीं है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इनके खिलाफ बीच-बीच में कार्वाही के नाम पर खानापूर्ति की जाती है। झोलाछाप डाक्टरों के इलाज से कई मरीज काल के गाल में समा चुके है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग कुंभकरणी नींद में है। जानकारी के अनुसार इन फर्जी दवाखानों में मरीज की जांच से लेकर दवाइयां, भर्ती करने के लिए बेड, आदि सब कुछ है। लेकिन डॉक्टरों के पास उचित डिग्री नही है। ऐसे में सहज समझा जा सकता है मरीजों का कैसे इलाज होता होगा । क्षेत्र की जनता का स्वास्थ्य झोलाछाप डाक्टरों के हाथ में चला गया है फर्जी डिग्रीधारी डाक्टरों ने गांवों में पांव पसार रखे हैं। एक मकान या दुकान किराए पर लेकर झोलाछाप डॉक्टर अपना दवाखाना खोलकर बैठ गए है। चिकित्सा विभाग व प्रशासन द्वारा महज इक्का-दुक्का कार्रवाई होने और ठोस कार्रवाई अमल में नहीं होने से झोलाछाप धड़ल्ले से जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रह है।

एमबीबीएस की तरह इलाज वैसे तो झोलाछाप डॉक्टर फोड़ा-फुंसी या सिर दर्द जैसी बीमारी का इलाज करने के लिए भी अधिकृत नहीं है। लेकिन गांव की ग्रामीणो को यह बड़ा डॉक्टर बताकर ठग रहे है और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। यह डॉक्टर मलेरिया, खांसी, सर्दी-जुकाम सहित कई बड़ी बीमारियों का इलाज भी करते है। भोली भाली जनता से पैसा वसूलने के लिए यह डाक्टर मरीज को भर्ती करके ड्रिप चढ़ाने, इंजेक्शन लगाने सहित घायलों को पट्टी करने और कई बार टांके लगाने तक के काम कर लेते है।

कई बार कार्रवाई हुई लेकिन मामला रफा-दफा खड़गवां विकास खंड में झोलाछाप डॉक्टरों का व्यापार फल-फूल रहा है। बिना उचित डिग्री के कर रहे इलाज?

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लुरण साय आ0 अमली साय व अन्य, निवासी ग्राम कर्रा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नवागढ़ स्थित खसरा नंबर 110/10 रकबा 0.020 हे0 भूमि को अनावेदक प्रमोद कुमार लकड़ा आ0 जुगलाल निवासी ग्राम कर्रा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपये 5,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपतित हो तो सुनवाई दिनांक 19.04.2023 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14/03/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

चंबल घाटी में अब गोलियां नहीं बल्कि बरसेंगे चौके-छक्के

इटावा,13अप्रैल,2023। कुख्यात दस्यु गिरोहों के कारण दशकों तक आतंक का पर्याय बनी चंबल घाटी इन दिनो न सिर्फ नैसर्गिक सुदंरता के चलते पर्यटकों को आकर्षित कर रही है बल्कि चंबल की वादियों में बसे गांव कस्बों में क्रिकेट प्रेमी युवा खिलाड़ी अपने हुनर की नुमाइश कर रहे हैं।

चंबल विद्यापीठ के सौजन्य से आयोजित 'चंबल क्रिकेट लीग सीजन-2' का आयोजन चंबल आश्रम हुकुमपुरा ग्राउंड पर किया जा रहा था। इस आयोजन का समापन संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के निर्वाण दिवस 14 अप्रैल को होगा ।

दशकों तक चंबल घाटी में कुख्यात और खूंखार डाकुओं का आतंक रहा है। इस कारण चंबल घाटी के लोगों के मन में कहीं ना कहीं डाकुओं के प्रति लगाव या समर्पण बना रहा है और इसी के चलते चंबल के कई युवाओं ने अपने हाथों में बंदूक थामना मुनासिब समझा लेकिन इसके नतीजे में ऐसा देखा और समझा गया है कि जब युवाओं ने बंदूक थामी तो उन्हें पुलिस की कार्यवाहियो की जद में आना पड़ा है और जिसके कारण सैकड़ों युवाओ का जीवन तबाह होने के अलावा उनके परिवारों वालों को भी सालो साल अदालती प्रकिया से जूझते हुए परेशानी झेलनी पड़ी है।

जैसे जैसे पुलिस अभियानों के क्रम में डाकुओं का खात्मा हुआ तो चंबल में बदलाव की बयार भी देखी जाने लगी है। इस बदली हुई बयार के बीच युवाओं ने डाकूओ के आतंक से ना केवल निजात पाई बल्कि अपने आप को पूरी तरह से नए मिजाज में स्थापित करना मुनासिब समझा।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि चंबल घाटी के युवा अब क्रिकेट की ओर खासी तादाद में आकर्षित हो रहे हैं और इसी वजह से युवा जगह-जगह जंगल में क्रिकेट की पिचों पर नजर आ रहे हैं। चंबल के युवाओं को क्रिकेट खेलते हुए देखकर के गांव के बुजुर्ग महिलाएं भी उनका उत्साहवर्धन करती हुई देखी जा रही है।

चंबल क्रिकेट लीग के आयोजन को लेकर युवाओं में इतना जोश था कि उन्होंने एक जुट हो खुद ही बीहड़ में रास्ता बनाया और मैदान की विधिवत सफाई के बाद पिच भी बना ली। चंबल क्रिकेट लीग-2 में मध्य प्रदेश के भिंड, उत्तर प्रदेश के औरैया, इटावा, जालौन जिलों की टीमें भाग

ले रही है। चंबल क्रिकेट लीग को लेकर खेल प्रेमियों में खासा उत्साह नजर आ रहा है। लीग के आयोजन के मुख्य सूत्रधार क्रांतिकारी लेखक डॉ. शाह आलम राना ने बताया कि इस लीग से घाटी की सकारात्मक पहचान बनी है। इस बार यह आयोजन जन सहयोग और साथियों के श्रम सहयोग से अधिक भव्यता के साथ शुरू हो गया है।

चंबल विद्यापीठ के संस्थापक डॉ. राना ने कहा कि इस लीग से चंबल घाटी की सकारात्मक छवि बन रही है। औरैया, इटावा, जालौन और भिंड जिला मुख्यालय से समान दूरी पर हुकुमपुरा स्थित चंबल आश्रम सामाजिक सांस्कृतिक गतिविधि का केंद्र बन रहा है। बिलौड पंचायत का हुकुमपुरा गाँव कभी कुख्यात दस्यु सरगना सलीम गुर्जर उर्फ पहलवान की वजह से सुर्खियों में रहा है। अब बदलाव की नई बयार बह रही है। इस बार भी यह आयोजन जन सहयोग और साथियों के श्रम सहयोग से ऐतिहासिक होगा।

पुराने दिनों का याद कर अकबर सिंह कुशवाहा कहते हैं कि एक तरफ डकैतों का खौफ रहता था। तो दूसरी तरफ पुलिसिया जुल्म की इंतेहा। रात में पुलिस आती तो गाँव के गाँव खाली हो जाते। क्या दहशत के दिन थे। सड़कें नहीं थी। आवागमन के साधन नही थे। खेती भी बारिश की कृपा पर होती थी। कई तरह से हम लोग पिस रहे थे। लेकिन अब चंबल का बीहड़ बहुत बदल चुका है। यह भी विश्व के साथ कदमताल करना चाहता है।

राकेश कुमार बताते हैं कि बुनियादी सुविधाओ से कटी हुई पंचनद घाटी में शिक्षा के अवसर नहीं थे। रोजी रोटी का संकट था। इलाज की सुविधाएं नही थी। बिजली पानी नहीं था। लिहाजा यहां के वासियों ने बड़े पैमाने पर पलायन का दंश झेला है। लेकिन अब यहां का समय बदल रहा है। करवट लेते अंचल में कई संभावनाएँ बरकरार हैं।

इटावा के एसएसपी संजय कुमार का कहना है कि चंबल में डाकुओं के खिलाफ चलाए गए दस्यु उन्मूलन अभियानों का असर व्यापक पैमाने पर नजर आ रहा है तभी ना तो कोई डाकू आतंक मचाने के लिए है और ना ही किसी भी डाकू की दहशत अब लोगों के दिलों दिमाग पर दिखाई दे रही है। जब चंबल पूरी तरीके से शांत हो गई है तो जाहिर है कि अब लोगों के मन में जो कुछ भी आएगा वह कर सकते हैं अगर चंबल के युवा क्रिकेट खेल की ओर जागरूक हो रहे हैं तो उन्हें कोई रोक नहीं सकता है।

मई में डायमंड लीग टाईटल डिफेंस शुरू करेंगे नीरज चोपड़ा

दोहा ,13अप्रैल,2023। जेवलिन थ्रोअर और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा 5 मई को दोहा बैठक में अपने डायमंड लीग खिताब की रक्षा शुरू करेंगे। ओलंपिक भाला चैंपियन और विश्व रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा - 89.94 मीटर के सर्वश्रेष्ठ भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक - विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स (जीआरएन) और ओलंपिक रजत पदक विजेता जैकब वडलेज्च (सीजेडई) के साथ बहुप्रतीक्षित भाला फेंक प्रतियोगिता में शामिल होंगे। शुक्रवार 5 मई को दोहा बैठक,÷ डायमंड लीग का एक बयान पढ़ा।

चोट के कारण चोपड़ा 2022 दोहा मीटिंग से चूक गए थे। यह एक ऐसी घटना थी जिसने दर्शकों को भाला मास्टरक्लास के साथ प्रस्तुत किया क्योंकि दो राष्ट्रीय रिकॉर्ड टूट गए थे, जिसमें ग्रेनाडा के दो बार के विश्व चैंपियन पीटर्स (93.07 मीटर) द्वारा इतिहास में पांचवां सबसे लंबा थ्रो शामिल था, जो थॉमस रोहलर की 93.90 मीटर प्रभावशाली बैठक के ठीक बाहर का निशान था। 2017 से रिकॉर्ड।

÷इस गर्मी के लिए मेरा लक्ष्य एशियाई खेलों के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप और अपने वांडा डायमंड लीग खिताब की रक्षा करना है। मैं 90 मीटर के निशान के भी करीब पहुंच रहा हूं, इसलिए मेरे लिए उस बाधा को तोड़ना बहुत मायने रखेगा।÷ भारतीय एथलीट ने विश्व एथलेटिक्स को डायमंड लीग के हवाले से बताया।

दोहा बैठक के 2023 संस्करण के लिए पीटर्स की वापसी, ओलंपिक रजत पदक विजेता वडलेजच के साथ - यूरोपीय रजत पदक विजेता और यूजीन में कांस्य पदक विजेता - जिन्होंने दोहा 2022 में 90 मीटर (90.88 मीटर) से अधिक के अपने पहले थ्रो के साथ एक पीबी दर्ज किया।

सजाई गई तिकड़ी के साथ, दोहा बैठक में यूरोपीय चैंपियन जूलियन वेबर (जीईआर) का भी स्वागत होगा, जो ओलंपिक और विश्व में चौथे स्थान पर रहने वाले फ़िनिशर हैं, जिनका सर्वश्रेष्ठ 89.54 मीटर है; पूर्व ओलंपिक चैंपियन और त्रिनिदाद और टोबैगो के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक केशोर्न वालकोट (90.16 मीटर); और पूर्व विश्व और राष्ट्रमंडल चैंपियन और 2016 के ओलंपिक रजत पदक विजेता जूलियस येगो, केन्याई रिकॉर्ड धारक (92.72 मीटर)।

2023 डायमंड लीग में 14 मीट शामिल होंगी, जिसमें दोहा से लेकर यूजीन (16-17 सितंबर) में दो दिनों में एक सिंगल फाइनल होगा।

फिर शुरू होगा यूरोपा लीग

मैनचेस्टर,13अप्रैल,2023। मैनचेस्टर यूनाइटेड अपने यूरोपा लीग अभियान को फिर से शुरू करेगा क्योंकि वे यूरोपा लीग के क्वार्टर फाइनल में सेविला की मेजबानी करने के लिए तैयार हैं। रेड डेविल्स अभी भी तीन आयामी ट्रॉफी की दौड़ में हैं और एरिक टेन हैग के लिए उनके पहले सीज़न में एक यूरोपा लीग ट्रॉफी उनके प्रभाव को रेखांकित करने के लिए पर्याप्त होगी। लेकिन स्पेनिश टीमें रेड डेविल्स के लिए बड़ा झटका साबित हुई हैं और रियल सोसिएदाद और एफसी बार्सिलोना के बाद यूनाइटेड को एक बार फिर अपने घरेलू मैदान पर अपनी योग्यता साबित करनी होगी।

मार्कस रैशफोर्ड युनाइटेड के दल का हिस्सा नहीं होंगे क्योंकि इंग्लिश फॉरवर्ड को अप्रत्याशित अवधि के लिए बाहर कर दिया गया है। एंथनी मार्शल और जादोन सांचो जैसे खिलाड़ियों को उनकी गैरमौजूदगी में जगह बनानी होगी। दूसरी ओर, सेविला को यूरोपा लीग का किंगमेकर माना जाता है, जिसने अब तक चार बार ट्रॉफी का दावा किया है। मैनचेस्टर यूनाइटेड और सेविला के बीच यूरोपा लीग क्वार्टर फाइनल

ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। मैच शुक्रवार को 12:30 एएम आईएसटी से शुरू होगा।

भारत में मैनचेस्टर यूनाइटेड बनाम सेविला मैच का सीधा प्रसारण कहाँ देखें? मैनचेस्टर यूनाइटेड और सेविला के बीच यूरोपा लीग क्वार्टर फाइनल का सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर सीधा प्रसारण होगा। मैच शुक्रवार को 12:30 एएम आईएसटी से शुरू होगा। भारत में मैनचेस्टर यूनाइटेड बनाम सेविला की लाइव स्ट्रीमिंग कहां देखें? मैनचेस्टर यूनाइटेड और सेविला के बीच यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल को सोनी एलआईव्ही ऐप और वेबसाइट पर लाइव-स्ट्रीम किया जा सकता है। मैच शुक्रवार को 2:30 एएम आईएसटी से शुरू होगा। यूके और यूएसए में मैनचेस्टर यूनाइटेड बनाम सेविला यूरोपा लीग मैच कैसे देखें? यूके में मैच का सीधा प्रसारण बीटी स्पोर्ट 1 और बीटी स्पोर्ट अल्टीमेट पर होगा। लाइव स्ट्रीमिंग बीटी स्पोर्ट ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। संयुक्त राज्य अमेरिका में, पैरामाउंट के पास यूरोपा लीग के विशेष अधिकार हैं। इसलिए पैरामाउंट+ अमेरिका की धरती पर हर मैच का प्रसारण करेगा।

स्टेयर्स नेशनल स्पोर्ट्स मीट में 3000 गोल्ड,सिल्वर मेडलिस्ट 250 कोच के साथ होंगे एकजुट

नई दिल्ली,13अप्रैल,2023। भारत भर में बच्चों के खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास की दिशा में काम करने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था सोसाइटी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन, इनक्लूजन एंड रिकॉग्निशन थ्रू स्पोर्ट्स ने सीढ़ियों की घोषणा की है। नेशनल स्पोर्ट्स मीट जो भारत के 11 राज्यों में 200 से अधिक जिलों में आयोजित साल भर चलने वाली ग्रासरूट स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का समापन है। यह मीट दो दिवसीय (15 अप्रैल से 16 अप्रैल) होगी, जिसमें विभिन्न जिलों के युवा प्रतिभागी राष्ट्रीय खिताब जीतने के लिए एक मंच पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

स्टेयर्स द्वारा आयोजित साल भर चलने वाली स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में भारत के 200 से अधिक जिलों और 11 राज्यों के 20,000 खिलाड़ियों ने 6 खेलों में 960 प्रशिक्षकों की टीम के सहयोग से भाग लिया। अंतिम कार्यक्रम में 3000 से अधिक स्वर्ण और रजत पदक विजेता अपने राष्ट्रीय स्तर पर खेलेंगे और तीन खेल श्रेणियों के लिए 250 कोच भाग लेंगे; योग, कराटे और ताइक्वांडो। चैंपियनशिप नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होगी।

साल भर चलने वाली स्पोर्ट्स चैंपियनशिप इवेंट पर टिप्पणी करते हुए, स्टेयर्स फाउंडेशन के अध्यक्ष, पूर्व गवर्निंग काउंसिल मेंबर - स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, सिद्धार्थ उपाध्याय ने कहा, हम खिलाड़ियों, साथ ही कोचों दोनों तरफ से भारी भागीदारी से रोमांचित थे। यह केवल एक खेल जगत के रूप में उभरने की भारत की क्षमताओं और क्षमता को दर्शाता है। स्टेयर्स नेशनल स्पोर्ट्स मीट युवा भारत के लिए सबसे बड़े प्लेटफार्मों में से एक होगा और विशाल भागीदारी खेलों में भारत की क्षमता का प्रमाण होगी।

यह कार्यक्रम स्टेयर्स द्वारा अपनी तरह का पहला कार्यक्रम शुरू करने के लिए एक मंच के रूप में भी काम करेगा, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर व्यापक आधार वाले खेलों के लिए एक निरंतर और मात्रात्मक कार्यक्रम बनाना है, जिससे खेल पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित किया जा सके।

इस दिन को चिह्नित करने के लिए प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में स्टेयर्स नेशनल स्पोर्ट्स मीट का उद्घाटन और नए कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा।

हम सीढ़ियों पर युवा भारतीयों को ऐसे और अधिक अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि वे गरिमापूर्ण जीवन जी सकें। हम एक नई पहल भी शुरू करेंगे, एक ऐसा कार्यक्रम जो देश के लिए अधिक चैंपियन तैयार करेगा। हमें खेलों को इस रूप में देखना चाहिए। एक रोजगार-बढ़ाने वाला व्यावसायिक कौशल जो अत्यधिक भूख और गरीबी उन्मूलन में योगदान दे सकता है; शिक्षा को बढ़ावा देना, लैंगिक समानता और युवाओं को सशक्त बनाना। उपाध्याय ने आगे कहा।

पहले टी-20 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ घर में पूरी ताकत लगा पाकिस्तान

लाहौर,13अप्रैल,2023। पाकिस्तान और न्यूज़ीलैंड शुक्रवार को लाहौर में पहले गेम से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी 20 आई श्रृंखला में सींग बंद करने के लिए तैयार हैं। ऐसे समय में जब क्रिकेट की दुनिया इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बुखार में डूबी हुई है, पाकिस्तान का न्यूज़ीलैंड दौरा - जिसमें पांच टी20 और इतने ही वनडे शामिल हैं - कुछ दिलचस्प अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई का वादा करता है।

पाकिस्तान ने शाहीन अफरीदी की वापसी से उत्साहित एक स्टार-स्टडेड टी20ई टीम का नाम दिया है, जो नवंबर 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल के बाद पहली बार खेलेंगे।

हालांकि वह चार महीने की अनुपस्थिति के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे, शाहीन अफरीदी पाकिस्तान में चांदी के बर्तन इकट्ठा करने और रिकॉर्ड तोड़ने में व्यस्त हैं। सबसे हालिया पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान, इक्का तेज गेंदबाज ने जीत के लिए लाहौर कलंदर्स की कप्तानी की, जिससे वह पीएसएल को दो बार जीतने वाले पहले कप्तान बन गए।

कप्तान बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, फखर जमान और हारिस रऊफ भी शारजाह में अफगानिस्तान टी20ई सीरीज से चूकने के बाद टीम में वापस आ गए हैं। अफगानिस्तान से 2-1 की हार में बुरी तरह चूकने के बाद पाकिस्तान अपने स्टार टी20आई खिलाड़ियों को वापस एक्शन में देखकर राहत महसूस करेगा।

न्यूज़ीलैंड के सामने बड़ी चुनौती है। वे न केवल पहली बार पाकिस्तान में टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलेंगे, बल्कि उन्हें नियमित कप्तान केन विलियमसन सहित कई प्रमुख खिलाड़ियों की कमी भी खलेगी। आईपीएल में वर्तमान में शामिल कई खिलाड़ियों के साथ, अनुभवहीन ब्लैक कैप्स का नेतृत्व टॉम लैथम करेंगे। हालाँकि, वे तीन महीने पहले पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में अपने प्रदर्शन से निराश हो सकते हैं, जहाँ उन्होंने अपने निपटान में अधिक मजबूत टीम होने के बावजूद 2-1 से जीत हासिल की थी।

कीवी पूरी ताकत से पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए स्टैंड-इन कप्तान लेथम, जिमी नीशम, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल और ईश सोढ़ी के अनुभव पर भरोसा करेंगे। लाहौर और रावलपिंडी की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ होने वाले उनके नव-हस्ताक्षरित सहायक कोच सकलैन मुश्ताक की उपस्थिति फायदेमंद हो सकती है।

दस्ते÷

पाकिस्तान टी20 टीम÷ बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, फहीम अशरफ, फखर जमां, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इहसानुल्लाह, इमाद वसीम, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शान मसूद और ज़मान खान।

न्यूज़ीलैंड टी20 टीम÷ टॉम लैथम (कप्तान), चाड बोवेस, मार्क चैपमैन, डेन क्लीवर, मैट हेनरी, बेन लिस्टर, एडम मिल्ने, कोल मैककोन्वी, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, रचिन रवींद्र, हेनरी शिपली, ईश सोढ़ी, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वोटेक इटैलियन ओपन एंट्री लिस्ट में सबसे ऊपर

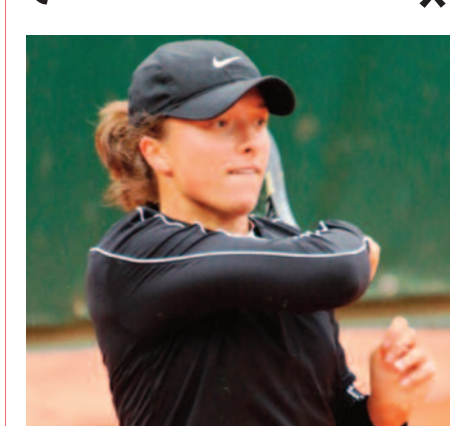

रोम ,13अप्रैल,2023। डब्ल्यूटीए टूर रैंकिंग में शीर्ष 25 खिलाड़ियों में से सभी इटालियन ओपन के 80वें संस्करण के लिए रोम जाएंगे, क्योंकि इस सप्ताह प्रतिष्ठित क्ले-कोर्ट इवेंट के लिए प्रारंभिक प्रविष्टियां जारी की गई थीं। .

इटालियन ओपन द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, ÷रोम स्वेटेक के लिए एक विशेष स्थान बना हुआ है, जिसने 2021 के खिताबी मुकाबले में करोलिना प्लिस्कोवा को एक अभूतपूर्व डबल बैगेल के साथ आउट किया था। उस जीत के बाद, उसने शीर्ष 10 में पदार्पण किया।÷

वर्ल्ड नंबर 1 इगा स्वोटेक अपने लगातार तीसरे इंटरनैशनल बीएनएल डी %इटालिया का दावा करने के प्रयास में वापस आ जाएगी। स्वियाटेक ने 2021 में चैंपियनशिप मैच में कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-0, 6-0 से हराकर खिताब जीता था। अगले वर्ष, उसने ओन्स जैबूर पर 6-2, 6-2 से जीत के साथ अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

वर्ष के मुख्य ड्रा का पांचवां डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट मंगलवार, 9 मई से एकल और युगल चैंपियनशिप शनिवार, 20 मई को होगा, जो लगभग पूरे पखवाड़े की अवधि का होगा।

दुनिया में नंबर 2 आर्यना सबलेंका, इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन, स्वोटेक को अलग करने के लिए खिलाड़ियों के पैक का नेतृत्व करती हैं। शीर्ष 5 नंबर 3 जेसिका पेगुला, नंबर 4 जबूर और नंबर 5 कैरोलिन गार्सिया द्वारा पूरा किया गया है।

निम्नलिखित वर्तमान शीर्ष 10 भी दौड़ में होंगे÷ कोको गॉफ छठे स्थान पर है, एलेना रयबाकिना सातवें स्थान पर है, डारिया कसाटकिना आठवें स्थान पर है, मारिया सककारी नौवें स्थान पर है, और पेट्रा क्वितोवा दसवें स्थान पर है।

2017 और 2018 में बैक-टू-बैक रोम खिताब जीतने वाली एलिना स्वितोलिना पिछले साल बेटी स्काई को जन्म देने के बाद पहली बार इस प्रतियोगिता में भाग लेंगी। पूर्व विश्व नंबर 1 प्लिस्कोवा, जिन्होंने 2019 में खिताब पर कब्जा किया था, स्वोटेक और स्वितोलिना के साथ क्षेत्र में पूर्व चैंपियन के रूप में शामिल हुए।

प्रारंभिक प्रविष्टि सूची में रोम के पूर्व फाइनल में 2013 की उपविजेता विक्टोरिया अजारेंका, 2016 की फाइनलिस्ट मैडिसन कीज़ और एलीज़ कॉर्नेट शामिल हैं, जो 2008 में 18 वर्षीय के रूप में फाइनल में पहुंची थीं।

बारबोरा क्रेजिक्कोवा, एम्मा रेडुकानु, जेलेना ओस्टापेंको, स्लोएन स्टीफंस, सोफिया केनिन और बियांका एंड्रीस्कू प्रतिस्पर्धा करने वाले अन्य ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। एंड्रीस्कू मियामी में टखने की चोट से उबर रही है, लेकिन वह अभी भी रोस्टर पर है।

घरेलू सरजमीं पर मुख्य ड्रा में सीधे प्रवेश पाने वाली इटली की खिलाड़ी विश्व में 20वें नंबर की मार्टिना ट्रेविसन, 43वें नंबर की कैमिला जियोर्गी, 51वें नंबर की एलिसाबेटा कोकसीरेटो और 66वें नंबर की जैसमीन पाओलिनी हैं।

शाहिद कपूर की ब्लडी डैडी का पहला लुक जारी

बॉलीवुड स्टार शाहिद कपूर ने हाल ही में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा था। उनकी सीरीज फर्जी अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इस वेब सीरीज को लोगों ने दिल खोलकर प्यार दिया है। इतना ही नहीं फैंस तो अब इस सीरीज के दूसरे पार्ट का डिमांड कर रहे हैं। इस बीच शाहिद कपूर की अपकमिंग फिल्म ब्लडी डैडी का पोस्टर आउट हो गया है जो कि इंटरनेट पर ताबड़तोड़ वायरल हो रहा है। इस नए पोस्टर में शाहिद कपूर का लुक देखने लायक है। बताया जा रहा है कि फिल्म का टीजर भी जल्द रिलीज होने वाला है।

शाहिद कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म ब्लडी डैडी का पोस्टर इंटरनेट पर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। इसमें शाहिद बेहद इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। शाहिद का ये अंदाज सभी को खूब पसंद आ रहा है। इस मूवी का निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया है। फिल्म में मुख्य भूमिका में शाहिद कपूर के साथ अंकुर भाटिया भी हैं। शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर इस पोस्टर को शेयर करते हुए बताया है कि इसका टीजर जल्द ही रिलीज होने वाला है। रिपोर्ट्स की मानें तो ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। फैंस को इस मूवी का बेसब्री से इंतजार है।

बताते चलें कि शाहिद कपूर इन दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। उनकी सीरीज फर्जी ने सभी का दिल जीत लिया है। ऐसे में अब शाहिद को ये एहसास हो गया है कि ओटीटी पर वो और भी बेहतर परफॉर्म कर सकते हैं। शाहिद कपूर अपनी एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्म कबीर सिंह इस बात की गवाही देती है। मूवी में शाहिद कपूर के साथ कियारा आडवाणी भी थी। इन दोनों की जोड़ी ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। मालूम हो कि शाहिद कपूर की कई फिल्में पाइपलाइन में है।

किसी का भाई. के ट्रेलर लॉन्च पर शहनाज गिल का दिखा बोल्ड अवतार

बिग बॉस सीजन 13 की एक्स कंटेस्टेंट और एंटरटेनमेंट क्वीन शहनाज गिल ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में शहनाज गिल का काफी बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है। बता दें कि सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' का ट्रेलर लॉन्च हो चुका है। इस दौरान फिल्म की पूरी टीम एकसाथ नजर आई थी। जहां शहनाज गिल के ग्लैमरस लुक ने लाइमलाइट लूट ली थी। पंजाब की केटरीना शहनाज गिल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' को लेकर चर्चाओं में हैं। बता दें कि 10 अप्रैल को मुंबई में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया है। जहां उनकी पूरी टीम एकसाथ नजर आई थी। जहां शहनाज गिल ने अपने बोल्ड अवतार से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींच लिया था। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं जिसें वो बेहद ही बोल्ड पोज देती हुई नजर आ रही हैं। शहनाज गिल ने अपने लेटेस्ट लुक में ब्लैक कलर का बेहद ही सिजलिंग डीपनेक टॉप के साथ ही ब्लैक शॉर्ट पहना हुआ है। अपने इस आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए एक्ट्रेस ने बाहर से ब्लैक कलर की कोट कैरी की है। ओपन हेयर और लाइट ग्लोसी मेकअप कर के एक्ट्रेस शहनाज गिल ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा अच्छे से निखारा है। एक्ट्रेस शहनाज गिल जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन तस्वीरों पर भी अब तक 6 लाख से ज्यादा लोगों के लाइक्स आ चुके हैं।

वैम्पायर के प्यार में पड़े डॉक्टर रॉय,खतरनाक है शांतनु और तान्या की टूथ परी का ट्रेलर

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बहुत से व्यूअर्स वैम्पायर हॉरर वेबसीरीज का बहुत दिल से वेट करते हुए नजर आते हैं. इस तरह के तमाम दर्शकों के लिए तान्या मानिकतला और शांतनु महेश्वरी अभिनीत वैम्पायर हॉरर सीरीज टूथ परी का ट्रेलर आउट कर दिया गया है. सीरीज के ट्रेलर को व्यूअर्स काफी पसंद कर रहे हैं. इस सीरीज में दर्शकों को एक कॉमन मैन की वैम्पायर के साथ लवस्टोरी को दिखाया जाएगा. आने वाली वेबसीरीज के ट्रेलर को तान्या मानिकतला ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. सीरीज के ट्रेलर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा कि ट्विस्टेड लव, सीक्रेट वर्ल्ड, वैम्पायर और इंसानों का प्यार.

ट्रेलर के शुरुआती हिस्से में शांतनु मुखर्जी और तान्या मानिकतला एक कॉमन मैन के रूप में नजर आते है. हालांकि जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, वैसे ही तान्या मानिकतला का वैम्पायर का रूप सामने आ जाता है. सीरीज में शांतनु मुखर्जी एक डॉक्टर के रोल में तो वहीं तान्या मानिकतला वैम्पायर टूथ परी वैम्पायर के किरदार में दिखेंगी. सीरीज का ट्रेलर देखने से समझा जा सकता है कि इसमें दर्शकों को एक फीमेल वैम्पायर की बहुत ही जबरदस्त

लवस्टोरी देखने को मिलने वाली है, जो अपने प्यार के लिए जंग करती हुई नजर आएगी. सीरीज के ट्रेलर में बहुत ही शानदार ढंग से वैम्पायर की दुनिया को भी दिखाया गया है. वैम्पायर वेबसीरीज को पसंद करने वालों के लिए ये सीरीज बहुत अच्छा ऑप्शन बन सकती है.प्रीतम डी गुप्ता के द्वारा डायेक्ट टूथ परी को ओटीटी व्यूअर्स के लिए 20 अप्रैल को नेटफ्लिकस पर रिलीज किया जाएगा. अब ये देखना दिलचस्प रहेगा कि इस वैम्पायर हॉरर वेबसीरीज को दर्शकों का कितना प्यार मिलता है.

मुख्यमंत्री द्वारा 'आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' का शुभारंभ

129 करोड़ के विकास कार्य जनता को हुआ अर्पित

» जगदलपुर में बोली प्रियंका गांधी आज यही बस्तर एक ब्रांड बन गया है

जगदलपुर,13अप्रैल2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर के लाल बाग में आयोजित 'भरोसे के सम्मेलन' में विशिष्ट अतिथि प्रियंका गांधी की उपस्थिति में 'मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' का शुभारंभ किया।

बस्तर संभाग के 1840 ग्राम पंचायतों को 5-5 हजार रूपए की अनुदान राशि जारी

इस योजना के तहत आदिवासी पर्व एवं त्यौहारों के गरिमामय आयोजन के लिए राज्य शासन द्वारा ग्राम पंचायतों को अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। योजना के शुभारंभ के अवसर पर मुख्यमंत्री ने बस्तर संभाग के 1840 ग्राम पंचायतों को प्रथम किश्त के रूप में 5-5 हजार रूपए की राशि जारी की।

योजना का उद्देश्य

'मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' के तहत अनुसूचित क्षेत्र के ग्रामों में जनजातियों के उत्सवों, त्यौहारों के मेला, मड़ई, जात्रा पर्व, सरना पूजा, देवगुड़ी, नवाखाई, छेरछेरा, अक्ती, हरेली आदि उत्सवों, त्यौहारों, संस्कृति को संरक्षित करने के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत को प्रति वर्ष 10,000 रूपए की अनुदान राशि दो किश्तों में जारी की जायेगी।

मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि का उद्देश्य आदिवासियों के तीज त्यौहारों की संस्कृति एवं परम्परा को संरक्षित करना एवं इन त्यौहारों, उत्सवों को मूल स्वरूप में आगामी पीढ़ी को हस्तांतरण तथा सांस्कृतिक परम्पराओं का अभिलेखन करना है।

मुख्यमंत्री ने की थी घोषणा,बजट में है प्रावधान

मुख्यमंत्री ने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज की संस्कृति और पर्वों की परम्परा के संरक्षण के लिए 'मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' की घोषणा की थी। वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में इस योजना के लिए 5 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। यह योजना छत्तीसगढ़ के समस्त अनुसूचित क्षेत्र (अनुसूचित जनजाति विकासखण्ड) में लागू होगी।

योजना का क्रियान्वयन

योजना की इकाई ग्राम (गांव) होंगे। योजना के लिए नोडल एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत होंगे।

योजना के क्रियान्वयन के लिए ग्राम स्तरीय शासी निकाय एवं अनुभाग स्तरीय शासी निकाय का गठन किया जाएगा। निकाय का स्वरूप निम्नानुसार होगा-

ग्राम स्तरीय शासी निकाय में संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच अध्यक्ष होंगे। गायता, पुजारी, सिरहा, गुनिया, बैगा सदस्य होंगे। ग्राम स्तरीय शासी निकाय में ग्राम के दो बुजुर्ग, दो महिला, ग्राम कोटवार, पटेल और ग्राम पंचायत के सचिव सदस्य होंगे।

जनपद स्तरीय शासी निकाय में

अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व अध्यक्ष होंगे और मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत इसके सदस्य सचिव होंगे। जनपद स्तरीय शासी निकाय में जनपद पंचायत के अध्यक्ष, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, तहसीलदार सदस्य होंगे। ग्राम में कौन-कौन से त्यौहारों में इस राशि का उपयोग किया जाना है इसका निर्धारण ग्राम स्तरीय समिति द्वारा किया जाएगा। जनपद स्तर पर इस योजना के क्रियान्वयन के निगरानी एवं समन्वय हेतु जनपद स्तरीय शासी निकाय उत्तरदायी होगा।

भरोसे के सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा मैं यहां पहली बार आई हूं आप मुझे नहीं जानते हैं। आप इसलिए आए हैं क्योंकि आपका मेरे परिवार पर भरोसा है। आप इसलिए आए हैं क्योंकि नेहरू जी और इंदिरा गांधी जी के दिल में आपको लेकर विशेष सम्मान था। यहां की कहानियों, आपकी संस्कृति, आपके संघर्ष के बारे में मैं सबकुछ जानती हूं। मेरे घर के सदस्यों ने आपकी संस्कृति, संघर्षों और चुनौतियों को जाना। सार्वजनिक जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज भरोसा होता है।

यहां जब मैं आई तो एक बहन ने मेरे लिए सुबह से आइसक्रीम बना कर रखी थी, लेकिन जब मैं वहां पहुंची तो मुझसे कहा कि आपको अभी मंच से बोलना है इसलिए आप ठंडी आइसक्रीम मत खाइएज् ये एक बहन का भरोसा है, एक पल में मेरा उनसे रिश्ता बन गया। एक जगह की पहचान तीन चीजों से होती है संस्कृति का सम्मान, लोगों का मान और सरकार द्वारा जनता का सम्मान। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एक समय यहां लोगों को आने में डर लगता था। आज यही बस्तर एक ब्रांड बन गया है। सरकार की मदद के साथ आपकी आमदनी बढ़ रही है।

प्रकृति का सम्मान करने के लिए मेरी दादी इंदिरा गांधी आप आदिवासी भाई बहनों का बहुत सम्मान करती थीं। यहां बेरोजगारी की दर सब कम है, सबसे ज्यादा वनोपज के लिए एमएसपी, यहां का स्वास्थ्य मॉडल देश के लिए उदाहरण है। सरकार आपके भरोसे पर चल रही है आपकी मेहनत का ये सरकार सम्मान कर रही है। पहले गौ माता सड़कों पर घूमती थीं, बहनें कर्ज में थीं, स्कूल बंद हो रहे थे, कुपोषण की दर बढ़ रही थी।

आज 65 वनोपज खरीदे जा रहे हैं, 4 हजार एकड़ जमीन लौटाई गई। 5 लाख लोगों को वन अधिकार पट्टे मिले। धान की सबसे ज्यादा कीमत यहां मिल रही है। किसानों का कर्ज माफ किया गया।

सीएम भूपेश बघेल की घोषणा

- » बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में इन्दिरा गांधी महिला सहकारी बैंक की स्थापना की जाएगी।
- » नारायणपुर में शासकीय आदर्श महिला महाविद्यालय नारायणपुर का नामकरण वीरांगना रमोतीन माड़िया शासकीय आदर्श महिला महाविद्यालय नारायणपुर के नाम से किया जाएगा।
- » नारायणपुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र केरलापाल का नामकरण घोटुल के संस्थापक देव 'लिंगो मुदियाल कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र केरलापाल नारायणपुर' के नाम से किया जाएगा।
- » दंतेवाड़ा शासकीय नवीन महाविद्यालय कटेकल्याण का नामकरण 'हिड़मा मॉझी शासकीय महाविद्यालय कटेकल्याण' के नाम से किया जाएगा।
- » बीजापुर शासकीय नवीन महाविद्यालय भैरमगढ़ का नामकरण धुर्वाराव माड़िया शासकीय महाविद्यालय भैरमगढ़' के नाम से किया जाएगा।
- » जगदलपुर के इंदिरा गांधी प्रियदर्शिनी स्टेडियम का उन्नयन कर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के फुटबाल, हॉकी और टेनिस ग्राउंड के रूप में विकसित किया जाएगा।
- » प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति के प्रबंधकों को तीन स्तरीय संविदा वेतनमान देने की घोषणा।

इन 31 जिलों में सांप्रदायिकता फैलाने वालों पर लगेगा रासुका

रायपुर,13अप्रैल 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में सांप्रदायिकता फैलाने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत अब 30 जून तक कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार ने रासूका की समयावधि को 1 अप्रैल से 30 जून तक के लिए बढ़ा दिया है। राज्य सरकार की ओर से जिलों के कलेक्टर को आदेश जारी कर दिया गया है। इसमें पुलिस को कभी भी गिरफ्तारी का अधिकार होगा। पकड़े गए आरोपी को एक साल तक हिरासत में रखा जा सकेगा और जमानत भी मुश्किल होगी। गृह विभाग को प्रदेश के 31 जिलों से साजिश के इनपुट मिले हैं।

जिन जिलों के कलेक्टर को आदेश जारी किया गया है उनमें, रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव, दुर्ग, रायगढ़, सरगुजा, जशपुर, कोरिया, जांजगीर-चांपा, कोरबा, कबीरधाम, महासमुंद, धमतरी, जगदलपुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा, कोंडागांव, बलौदा बाजार, गरियाबंद, बेमेतरा, बालोद, मुंगेली, सूरजपुर, बलरामपुर, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, सारंगढ़-बिलाईगढ़, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर शामिल है।

31 मार्च को जारी अधिसूचना के मुताबिक इसमें बताया गया है कि राज्य सरकार के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व सांप्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिए, लोक व्यवस्था और राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई कार्य करने के लिए सक्रिय हैं, अथवा उनके सक्रिय होने की संभावना है।

ऐसे में सरकार रासुका लगा रही है। आपको बता दें कि जिला प्रशासन को ये लगे कि कोई व्यक्ति कानून-व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने में बाधा खड़ा कर रहा है तो वह उसे गिरफ्तार करने का आदेश दे सकती है। साथ ही, अगर उसे लगे कि वह व्यक्ति आवश्यक सेवा की आपूर्ति में बाधा बन रहा है तो वह उसे गिरफ्तार करवा सकती है। जमाखोरों की भी गिरफ्तारी की जा सकती है। कानून का उपयोग जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त, राज्य सरकार अपने सीमित दायरे में भी कर सकती है।

छत्तीसगढ़ कैडर के 3 आईएएस को केंद्र में मिली बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर,13अप्रैल2023(ए)। केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों के आकांक्षी जिलों के लिए प्रभारी अफसरों की नियुक्ति की है।छत्तीसगढ़ के लिए 3 आईएएस अफसरों की नियुक्ति हुई है। ये तीनों छत्तीसगढ़ कैडर के ही है और केंद्र में प्रतिनियुक्त हैं। डीओपीटी ने बस्तर जिले में आईएएस मुकेश कुमार बंसल, कोरबा में रजत कुमार और राजनांदगांव डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी को जिम्मेदारी दी गई है।

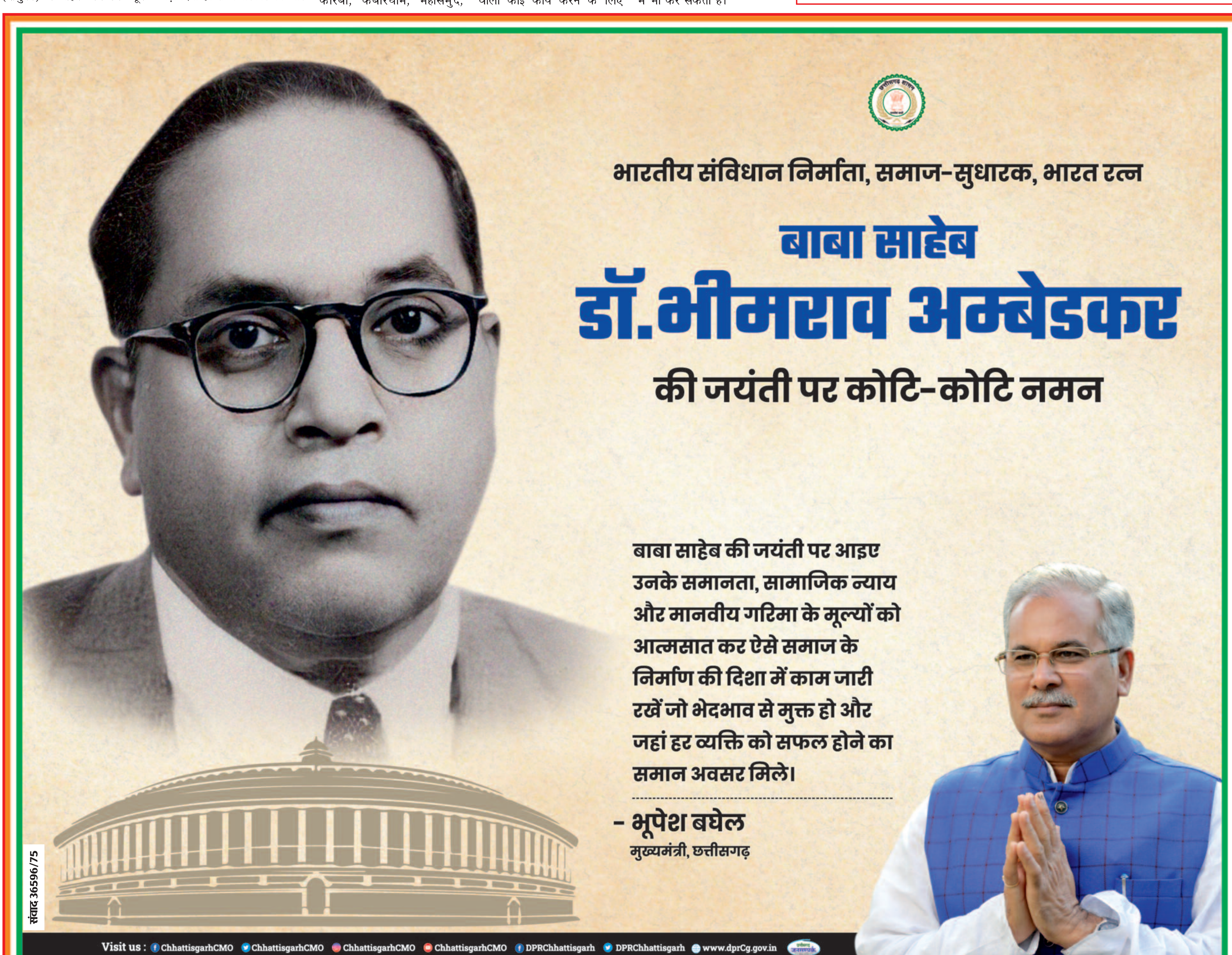

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)